तापमान
अधिकतम 28.3 डिग्री
न्यूनतम 8.5 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 23 नवंबर 2025

12 रियायती दरों पर उपलब्ध करवाई स्वास्थ्य सुविध

12 पार्टी लाइन से हटकर बयान देने से बाज आएं : मलिक

खबर संक्षेप

ट्रेन की चपेट में आने पर सेवादार की दर्दनाक मौत

अंबाला। ट्रेन की चपेट में आने वाले सेवादार की मौत हो गई। हादसा अंबाला-सहारनपुर रेल खंड पर तंदवाल और बराड़ा रेलवे स्टेशन के मध्य हुआ। जीआरपी ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। जीआरपी के मुख्य सिपाही प्रदीप ने बताया कि मृतक की शिनाख्त दरगाह के मुख्य सेवादार अनिल ने की है। मृतक की पहचान बिलासपुर के रुलिया (55) के तौर पर हुई है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

नए श्रम संहिताओं के विरोध में प्रदर्शन 26 को

कुरुक्षेत्र। जनसंघर्ष मंच हरियाणा के राज्य प्रधान कामरेड फूल सिंह की अध्यक्षता में शहीद भगत सिंह दिशा संस्थान में जन संघर्ष मंच हरियाणा, मनरेगा मजदूर यूनियन, एवं निर्माण कार्य मजदूर मिस्त्री यूनियन के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए मजदूर विरोधी चार नए श्रम संहिताओं का कड़ा विरोध किया गया तथा निन्दा की गई। निर्णय लिया गया कि 26 नवंबर को विरोध में प्रदर्शन होंगे।

सिंगापुर भेजने के नाम पर 1.5 लाख रुपए ठगे

यमुनानगर। सिंगापुर भेजने के नाम पर गांव सारण निवासी गौरव से एक लाख पांच हजार रुपए हड़प लिए गए। आरोप जसमीत सिंह बाजवा पर लगा है। गांव सारण निवासी गौरव ने थाना छप्पर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह रोजगार के लिए विदेश जाना चाहता था। इस दौरान उसे पता चला कि जसमीत सिंह बाजवा लोगों को विदेश भेजने का काम करता है। गत अगस्त महीने में वह आरोपी जसमीत से मिला। आरोपी ने उसे सिंगापुर भेजने का आश्वासन दिया। आरोपी ने उसे सिंगापुर भेजने के नाम पर एक लाख पांच हजार रुपए ले लिए मगर इसके बाद आरोपी ने उसे सिंगापुर नहीं भेजा। जब उसने आरोपी से बात की तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

मंडी से धान की 14 बोरी चोरी, मामला दर्ज

जींद। गांव अलेवा अनाज मंडी से 14 बोरी धान फसल की गायब होने पर अलेवा थाना पुलिस ने आढ़ती की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज किया है। गांव गोहिया निवासी यशपाल ने शिकायत में बताया कि उसकी गांव अलेवा मंडी में आढ़त की दुकान है। बीती रात चोरों ने 14 बोरी धान फसल की चोरी कर ली। घटना का सुबह उस समय पता चला जब उसने अपने स्टॉक को संभाला।

मारपीट करने पर चार के खिलाफ मामला दर्ज

जींद। गांव नगूरां में रंजिशन महिला के साथ मारपीट करने पर अलेवा थाना पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव नगूरां निवासी नीलम ने बताया कि उसकी पडोसी संदीप परिवार से कहासुनी हो गई।

कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन जारी

ब्रह्मसरोवर के चारों तरफ बिखर गई भारतीय संस्कृति की महक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

ब्रह्मसरोवर के पावन तटों पर भारतीय संस्कृति की महक को दूर-दूर तक महसूस किया जा रहा है। इस संस्कृति की महक का एहसास करने के बाद एकाएक देश-विदेश के लोग अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव की ओर खिंचे चले आ रहे है।

इस महोत्सव में जहां शिल्पकार अपनी शिल्पकला से पर्यटकों को मोहित कर रहे है, वहीं विभिन्न प्रदेशों के लोक कलाकार पर्यटकों का खूब मनोरंजन कर रहे है।

■ विभिन्न प्रदेशों के लोक कलाकार पर्यटकों का मनोरंजन कर रहे

ब्रह्मसरोवर की सदरियों में लगे स्टॉलों में भा र ती य संस्कृति को दर्शन करवाती अद्भुत शिल्पकला से भारतीय संस्कृति की महक चारों तरफ फैल चुकी है और यहां पर आने वाले पर्यटक इसका जमकर आनंद उठा रहे है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव शिल्प और सरस मेले के 8वें दिन सुबह और शाम के समय दूर-दराज से आने वाले पर्यटकों का विभिन्न प्रदेशों के लोक कलाकार मनोरंजन करने का काम कर रहे है। उत्तरी तट पर जहां राजस्थानी लोक कलाकार कच्ची घोड़ी नृत्य की प्रस्तुति देकर पर्यटकों को नृत्य करने के लिए उत्साहित कर रहे है, वहीं उत्तर पश्चिमी तट पर बीन-बांसुरी की धुन पर लोक कलाकार भी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे है। इस पावन तट के चारों तरफ किसी न किसी प्रदेश के कलाकार, बाजीगर, बहरुपिए भी पर्यटकों को लुभा रहे थे।

शनिवार को इस शिल्प मेले की रौनक को बढ़ाने का काम विभिन्न राज्यों से आए पर्यटकों व विद्यार्थियों ने किया। आसमान में खिली धूप ने महोत्सव के माहौल को और भी मनमोहक कर दिया, महोत्सव में आए विद्यार्थियों व पर्यटकों ने विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का जमकर लुत्फ उठाया। बच्चों, जवान और बुजुर्गों ने महोत्सव में जमकर खरीददारी की और विभिन्न प्रदेशों से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान मदमस्त होकर नृत्य किया। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि प्रशासन की तरफ से महोत्सव में पर्यटकों, शिल्पकारों, कलाकारों के लिए अच्छे प्रबंध किए गए है और यह सरस और शिल्प मेला पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। महोत्सव में 24 नवंबर से शुरू होने वाले मुख्य कार्यक्रमों के लिए केडीबी और प्रशासन द्वारा सभी तैयारियों को पूरा किया जा रहा है ताकि महोत्सव में आने वाले पर्यटकों को महोत्सव के दौरान सुखद अनुभूति मिले और वह यहां से अच्छी यादें अपने साथ लेकर वापिस जाएं।

कुरुक्षेत्र। ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर सांस्कृतिक प्रस्तुति देते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

राज्यस्तरीय प्रदर्शनी का सजने लगा मंच

कुरुक्षेत्र। गीता महोत्सव के दौरान पुरुषोत्तमपुरा बाग में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की राज्यस्तरीय प्रदर्शनी, विदेशी शिल्पकारों के स्टॉल और मुख्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंच सजने लगा है। 24 नवंबर को गीता यज्ञ और गीता पूजन से मुख्य कार्यक्रमों का आगाज होगा और 1 दिसंबर को दीपदान के साथ संपूर्ण हो जाएंग, जबकि सरस और शिल्प मेला 5 दिसंबर 2025 तक चलेगा। ब्रह्मसरोवर पुरुषोतमपुरा बाग में 24 नवंबर से जनसंपर्क विभाग की तरफ से राज्यस्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन होगा।

लोक वाद्य यंत्रों की सुरीली धुनों से पर्यटक हो रहे मंत्रमुग्ध

कुरुक्षेत्र। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में ब्रह्मसरोवर के तट पर पर्यटकों के मनोरंजन के लिए तरह-तरह के लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। महोत्सव में ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर कई ढोल-नगाड़े के साथ-साथ डेरू वाले संगीत ने पर्यटकों को नाचने पर मजबूर कर रहे है। गौरतलब है कि 15 नवंबर से ही शिल्प और सरस मेले की शुरूआत के साथ ही यह कलाकार महोत्सव में पहुंच गए थे और लगातार अपने-अपने राज्यों के लोक नृत्यों के माध्यम से पर्यटकों का मनोरंजन करने का काम कर रहे है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में 5 दिसंबर तक चलने वाले अंतर्राष्ट्रीय क्राफ्ट और सरस मेले में पर्यटकों के मनोरंजन के लिए और इस महोत्सव को भव्य स्वरूप देने के लिए कई तरह के लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम करवाए जा रहे है। इस महोत्सव में जहां एक और हरियाणा और पंजाब की लोक संस्कृति देखने को मिल रही है, वहीं दूसरी ओर जम्मू एंड कश्मीर, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, वेस्ट बंगाल, महाराष्ट्र, असम, त्रिपुरा, मिजोरम, मेघालय, दिल्ली, लद्दाख सहित कई राज्यों की अद्भुत लोक संस्कृति देखने को मिल रही है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में आने वाले पर्यटक इन राज्यों की अद्भुत और संगीतमय लोक संस्कृति को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए है। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक कला केंद्र पटियाला के अधिकारी भूपेंद्र सिंह ने कहा कि महोत्सव में इन लोक कलाकारों ने अपना जौहर और अपने-अपने राज्यों की लोक संस्कृति को ब्रह्मसरोवर के तट पर दिखाकर इस भव्य आयोजन को और भव्य बनाने का काम किया है। इन लोक कलाकारों ने इस महोत्सव में ऐसा रंग भर दिया है कि इनको देखने वाले पर्यटकों को नाचने पर मजबूर कर दिया है। इस अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव की गूंज यहां ही नहीं बल्कि दूसरे राज्यों में भी सुनने को मिल रही है, दूर दराज से आने वाले पर्यटक जहां अपने राज्यों में जाने के बाद भी इस महोत्सव की जमकर प्रशंसा कर रहे है, वहीं इस महोत्सव के यादगारी पलों को अपने मोबाईल कैमरों में कैद करने का काम भी कर रहे है। यह पर्यटक इस महोत्सव का का सारा दिन खूब आनंद लेकर सुनहरी यादों के साथ अपने-अपने घरों को लौट रहे है।

दस्तावेज करें पूरे, जल्द शुरू होगा पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

■ राज्य फार्मेसी परिषद ने लंबित पंजीकरणों के लिए दिया मौका

हरियाणा राज्य फार्मेसी परिषद ने पंजीकरण की प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुगम करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। जिन आवेदकों द्वारा पंजीकरण के लिए अभी तक अपने दस्तावेज़ परिषद में जमा नहीं किए गए हैं उनको यह प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त अवसर देने का निर्णय लिया

राज्य फार्मेसी परिषद की रजिस्ट्रार अंकिता अधिकारी ने बताया कि जिन उम्मीदवारों ने फार्मेसी में पंजीकरण के लिए पहले अपने दस्तावेज़ जमा नहीं किए थे उन्हें अब परिषद की वेबसाइट पर उपलब्ध ताज़ा दिशा-निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढना चाहिए। आवेदकों को अपने लंबित दस्तावेज़ों के साथ देरी का कारण बताते हुए एक लिखित प्रस्तुतीकरण भी जमा करना होगा।

प्रमाण-पत्रों का सत्यापन

विशेषकर हरियाणा के बाहर स्थित संस्थानों द्वारा जारी किए गए फार्मेसी के प्रमाण-पत्रों का उनके संबंधित विश्वविद्यालयों, बोर्डों या फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया अथवा मान्यता प्राप्त संस्थानों से सत्यापन करवाना अनिवार्य है। इसके अलावा, आवेदकों को यह शपथ-पत्र भी देना होगा कि वे किसी अन्य राज्य की फार्मेसी परिषद में पंजीकृत नहीं हैं। अधिकारी ने कहा कि वास्तविक प्रक्रिया संबंधी या सत्यापन से जुड़े कारणों के चलते किसी भी पात्र उम्मीदवार को पंजीकरण से वंचित नहीं किया जाएगा। उन्होंने परिषद द्वारा पारदर्शिता, निष्पक्षता और सुगम सेवा प्रदान करने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य फार्मेसी परिषद में पंजीकरण प्रक्रिया से संबंधित अधिक जानकारी या सहायता के लिए आवेदक कार्य-समय के दौरान परिषद के कार्यालय से संपर्क कर सकते है। परिषद की वेबसाइट पर उपलब्ध आधिकारिक संचार माध्यमों का उपयोग भी कर सकते हैं।

पीएम के पोस्टर पर कालिख पोतने का मामला

कांग्रेस नेता रजत लाठर की गिरफ्तारी से राजनीतिक माहौल गर्माया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

■ भाजपा नेता त्रिलोचन सिंह ने की थी शिकायत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर वाले पोस्टर पर कालिख पोतने के मामले में करनाल पुलिस ने युवा कांग्रेस के ग्रामीण जिला अध्यक्ष रजत लाठर और उसके साथी अशोक को सोमवार को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। अदालत ने दोनों को जमानत दे दी। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

रविवार को बस स्टैंड के पास लगे पोस्टर पर कालिख पोतने का वीडियो सोशल मीडिया पर फैल गया। वीडियो के आधार पर पुलिस ने रजत लाठर के खिलाफ मामला दर्ज किया और सोमवार सुबह उसे गिरफ्तार कर लिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश वैध ने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीकों से विरोध करती है और पोस्टर पर कालिख पोतने जैसी घटना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्य कांग्रेस की नीति नहीं हैं और वह इसकी निंदा करते हैं। कांग्रेस नेता सतीश राणा ने भी फेसबुक पोस्ट के माध्यम से घटना को शर्मनाक बताया और कहा कि इस तरह के कृत्य राजनीति का स्तर गिराते हैं। भाजपा नेता त्रिलोचन सिंह ने कहा कि उन्हें एक वीडियो मिला, जिसमें रजत लाठर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर पर कालिख पोतते दिखाई दे रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कृत्य उनके लिए असहनीय था। उन्होंने एसपी करनाल को पत्र लिखकर सख़्त कार्रवाई की मांग की और स्पष्ट कहा कि अगर प्रधानमंत्री का अपमान करने वालों पर कार्रवाई नहीं हुई तो किसी भी टकराव की स्थिति की ज़िम्मेदारी सरकार की होगी।उन्होंने बताया कि शिकायत की प्रति उन्होंने सीएम हाउस और विधायक जगमोहन आनंद को भी भेजी। युवा कांग्रेस का कहना है कि उनका अभियान "वोट चोरी" के मुद्दे पर चल रहा है। रजत लाठर का आरोप है कि वोट चोरी करके सरकार बनाई गई है और वे गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं कि लोकतंत्र किस तरह प्रभावित होता है।

सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत

कुरुक्षेत्र। पिहोवा-कुरुक्षेत्र रोड पर गांव मुकीमपुरा के समीप बाइक सवार 2 दोस्तों को किसी वाहन ने कुचल दिया। इससे उन दोनों की मौके पर ही मौत गई। दोनों बाइक पर पिहोवा से कुरुक्षेत्र जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान आलोक कुमार (21) निवासी मोहनपुर और उसके दोस्त पार्थ उर्फ गोलू (20) निवासी मेन बाजार पिहोवा (18) के रूप में हुई है। आलोक और गोलू कुरुक्षेत्र के सेंटर में पीटीई का कोर्स कर रहे थे और सुबह बाइक पर क्लास लगाने कुरुक्षेत्र सेंटर जा रहे थे। घटना सुबह करीब साढ़े 8 बजे की बताई जा रही है। आलोक के पिता सुखवंत सिंह का पास के ही गांव कराह साहिब में मेडिकल स्टोर है। कुछ दिन पहले एक झगड़े में बीच-बचाव करने के दौरान सुखवंत सिंह को ज्यादा चोट लग गई थी, तब से सुखवंत सिंह बिस्तर पर है। उधर, गोलू के पिता दीपक कुमार केबल का काम करते हैं। गोलू अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था, उसकी 2 बहनें हैं। गोलू पीटीई करके विदेश जाना चाहता था। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चौकीदार की मौजूदगी में सेफ हाउस से तीन बच्चे फरार

अंबाला। कर्मभूमि एक्सप्रेस से संरक्षण में लिए गए तीन किशोर सेफ हाउस से भाग गए। बताया जाता है कि जिस समय बच्चे भागे उस समय एक ही चौकीदार था। वह भी गेट पर तैनात था। सेफ हाउस की पिछली दीवार भी छोटी है, ऐसे में बच्चे भागने में कामयाब हुए। इसके बाद सुबह चौकीदार ने जिला बाल कल्याण समिति को इस घटना की जानकारी दी। समिति के पदाधिकारियों ने खुद से ही बच्चों को खोजने का दिनभर काम किया। इसके बाद शाम को पांच बजे समिति की अध्यक्षा रंजीता सचदेवा ने सिटी थाने की पुलिस को घटना की जानकारी दी। तीनों बच्चों की तलाश जारी है। मामले में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। दूसरी तरफ जीआरपी ने बच्चों सहित पकड़े गए दोनों संदिग्धों को नोटिस देकर छोड़ दिया है। मामले से संबंधित रिपोर्ट जिला बाल कल्याण समिति पेश नहीं कर पाई। बता दें कि ट्रेन नंबर 12407 कर्मभूमि एक्सप्रेस से जिला युवा विकास संगठन सहित आरपीएफ व जीआरपी ने छह बच्चों को वीरवार दोपहर संरक्षण में लिया था। इनमें तीन बच्चे नेपाल के मोहतारी जिले के थे। तीन बच्चे कटिहार व सहरसा बिहार के थे। तीनों बच्चों को जिला बाल कल्याण समिति के निर्देश पर रात्रि ठहराव के लिए अंबाला शहर के सेफ हाउस में रखा गया था लेकिन इनमें से तीन बच्चे रात को सेफ हाउस से निकल गए। जिला बाल कल्याण समिति की चेयरपर्सन रंजीता ने बताया कि कर्मभूमि एक्सप्रेस से संरक्षण में लिए गए बच्चों की काउंसलिंग होनी थी लेकिन जब उन्हें जानकारी मिली कि तीन बच्चे सेफ हाउस से भाग गए है तो यह प्रक्रिया रोक दी गई है। बच्चों की तलाश आरंभ की गई।

■ कर्मभूमि एक्सप्रेस से छह किशोरों को किया था जब्त, हिरासत में लिए संदिग्ध भी जीआरपी ने किए रिहा

मेरा पसंदीदा श्लोक साझा करें और इनाम पाएं

जींद। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के तहत गीता ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मेरा पसंदीदा श्लोक ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। डीआईपीआरओ कृष्ण कुमार ने बताया कि प्रतिभागियों को गीता के किसी भी श्लोक से जुड़ा अपना प्रेरणादायक अनुभव 40 सेकेंड के वीडियो के रूप में सांझा करना होगा।

उत्तरप्रदेश की दमकल गाड़ी ने मौके पर पहुंच कर बुझाई आग

हथिनीकुंड बैराज पर कार में आग लगने से धमाका

■ गाड़ी से धुआं उठता देख बाहर आ गया था युवक व उसकी भाभी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

हरियाणा उत्तर प्रदेश सीमा पर स्थित हथिनीकुंड बैराज के पुल पर शनिवार सुबह एक्सयूवी गाड़ी में आग लग गई। आग लगने से गाड़ी में जोरदार धमाका हुआ।

गनीमत यह रही की गाड़ी चालक व उसकी भाभी समय रहते गाड़ी से नीचे उतर गए थे वरना बड़ा हादसा हो सकता था। आग लगने की सूचना मिलते ही उत्तर प्रदेश की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दमकल विभाग को घटना की सूचना दी। दमकल विभाग की गाड़ी में मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार यूपी के गांव पठलोकर निवासी तैयब अपनी भाभी नसीमा के साथ हरियाणा के गांव मालीमाजरा में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। जब यमुना नदी पर बने हथिनीकुंड बैराज पर पहुंचे तो सामने से आ रहे बाइक सवार ने गाड़ी रुकवाई। गाड़ी के बोनट से धुआं निकल रहा था। तयैब व उनकी भाभी गाड़ी से उतरे। बाइक सवार युवक ने बोनट व बंपर खोला। तभी अचानक आग का गुब्बार निकला। आसपास के लोग दूर हट गए। तभी अचानक जोर का धमाका हुआ।

जानकारी के अनुसार यह गाड़ी प्रतापनगर के अनीश के नाम है। जबकि गाड़ी का इस्तेमाल उत्तर प्रदेश निवासी उसके मामा का बेटा तैयब करता है। गाड़ी हरियाणा के ही व्यासपुर में पंजीकृत है। गाड़ी में आग लगने की सूचना मिलते ही उत्तर प्रदेश व हरियाणा की पुलिस मौके पर पहुंची। उत्तर प्रदेश की पुलिस ने पहले मौके पर पहुंचकर आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी। दमकल विभाग की एक गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग लगने से कार पूरी तरह से जल गई। गाड़ी में आग लगने से हथिनी कुंड बैराज के दोनों साइडों में वाहनों की लंबी लाइन लग गई। जिसमें आर्मी की गाड़ी, एंबुलेंस व अन्य वाहन फंस गए। पुलिस ने दमकल विभाग की सहायता से गाड़ी की आग बुझाकर पहले आर्मी की गाड़ियां व एंबुलेंस को निकाला। बाद में अन्य जाम खुलवाया। दोपहर 12 बजे तक हथिनीकुंड बैराज पर स्थिति सामान्य हुई।

यमुनानगर। हथिनी कुंड बैराज पर गाड़ी में लगी आग।

जिले में सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

यमुनानगर। जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव रामखेड़ी निवासी अवतार ने व्यासपुर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसका पिता 70 वर्षीय जसवंत शुक्रवार रात आठ बजे अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी पर घर लौट रहा था।

जब वह गांव चंगनोली के पास पहुंचा तो तेज गति से आ रही कार ने उसके पिता की स्कूटी को टक्कर मार दी। जिससे उसका पिता गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने उसे हादसे की सूचना दी। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचा और अपने पिता को अस्पताल में भर्ती करवाया।

एसबीआई ब्रांच से 40 लाख रुपये गायब

■ बैंक के कैशियर व अकाउंटेंट के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की पिहोवा ब्रांच से 40 लाख रुपए के नोट की गड्डियां गायब हो गईं। नोट गायब होने का खुलासा तब हुआ, जब ब्रांच मैनेजर ने रूटीन जांच की और सीसीटीवी फुटेज खंगाली।

मामले में बैंक के ही 2 कर्मियों पर गड्डियां गायब करने का आरोप लगा है। रकम पिहोवा ब्रांच की करेंसी चेस्ट से गायब मिली है। ब्रांच मैनेजर तरसेम लाल ने दोनों कैशियर-अकाउंटेंट से कैश गायब होने पर पूछताछ की, लेकिन दोनों कर्मी कोई जवाब नहीं दे पाए। इसके बाद उन्होंने पुलिस में दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। ब्रांच मैनेजर तरसेम लाल के मुताबिक 18 नवंबर सुबह करीब 9:30 बजे बैंक में रूटीन जांच की गई। इस जांच में करेंसी चेस्ट के बिन नंबर 26 का निरीक्षण किया गया। बैंक रिकॉर्ड में इस बिन में 90 गड्डियां होनी चाहिए थी, लेकिन चेस्ट में सिर्फ 82 गड्डियां मिलीं। इन 8 गड्डियों के गायब होने से बैंक के 40 लाख रुपए कम पाए गए। इस पर मैनेजर ने कैश ऑफिसर रवि कुमार और अकाउंटेंट करण पाल से पूछताछ की।

दोनों कर्मी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए, तब बैंक की सीसीटीवी फुटेज जांची गई। इससे खुलासा हुआ कि 10 नवंबर को आखिरी निकासी के बाद शेष बंडलों की सही जांच नहीं की।

खबर संक्षेप

वातावरण को स्वच्छ रखने को सफाई जरूरी

यमुनानगर। महाराणा प्रताप सीनियर सैकेंडरी स्कूल नाचरौन में शनिवार को पर्यावरण स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूली बच्चों को स्वच्छता के महत्व के बारे में अवगत करवाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल प्रबंधक साहब सिंह राणा ने भाग लिया। मुख्यातिथि एवं स्कूल प्रबंधक साहब सिंह राणा ने कहा कि वातावरण को स्वच्छ रखना उतना ही जरूरी है जितनी हमें जीने के लिए हवा और पानी की आवश्यकता है।

दो स्थानों पर मारपीट कर चार लोगों को किया घायल

यमुनानगर । रादौर थाना क्षेत्र में अलग-अलग दो स्थानों पर हुई मारपीट में पुलिस ने नौ लोगों को नामजद करते हुए दो अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। मारपीट में चार लोग घायल हो गए। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार रादौर की दयाल माजरी निवासी धर्मकौर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 18 नवंबर को शाम पांच बजे वह अपने घर पर काम कर रही थी। इस दौरान गांव के ही रीटा, संजीव उर्फ सोनी, ज्योति, दर्शनी, नरेश, ज्योति, कर्मों व रवि उनके घर में घुस गए।

सूने घर से चोरों ने नगदी और जेवर किए चोरी

यमुनानगर । शहर की छोटी लाइन मॉडल टाउन स्थित एक घर से चोरों ने 80 हजार रुपये की नकदी तथा सोने की बालियां चोरी कर ली। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार पेपर मिल कॉलोनी निवासी तुषार मिश्रा ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि छोटी लाइन मॉडल टाउन में उसके परिचित सुमित तिवारी का घर है। वह 20 नवंबर को घर का ताला लगाकर किसी काम से बाहर गए थे। जब वह 21 नवंबर को शाम चार बजे वापस घर पहुंचे तो घर का लगा ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर घर से 80 हजार रुपए की नकदी तथा सोने की बालियां गायब मिली। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी।

नगर निगम ने रेलवे रोड से हटाए अवैध होर्डिंग व बैनर, सड़क पर रखे बोर्ड जब्त

बिना अनुमति के होर्डिंग्स व बैनर लगाए तो होगी कार्रवाई : एसडीओ

- नगर निगम यमुनानगर प्रशासन ने शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए चलाया अभियान

नगर निगम के एसडीओ राजेश शर्मा ने बिना अनुमति के होर्डिंग्स व बैनर नहीं लगाने की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

नगर निगम यमुनानगर जगाधरी प्रशासन द्वारा ट्विन सिटी को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए विशेष अभियान चलाकर शहर के रेलवे रोड पर सड़क पर दुकानदारों द्वारा रखे विज्ञापन बोर्ड उठाकर जब्त कर लिए। इसके अलावा निगम द्वारा विभिन्न स्थानों पर अवैध रूप से लगे होर्डिंग व बैनर हटवाए। यह होर्डिंग व बैनर अग्रसेन चौक से शहीद भगत सिंह चौक तक सड़क किनारे रखे हुए थे। कुछ होर्डिंग विभिन्न चौकों, पोल, डिवाइडर व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से लगे हुए थे। जो शहर की सुंदरता बिगाड़ रहे थे। नगर निगम के एसडीओ राजेश शर्मा ने बताया कि नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने शहर में अवैध रूप से लगे व सड़क किनारे रखे होर्डिंग और बैनर हटाने के निर्देश दिए थे। उनके निर्देशों पर निगम की टीम ने शहीद भगत सिंह चौक से होर्डिंग व बैनर हटाने का अभियान शुरू किया।

यमुनानगर। नगर निगम की टीम शहर के होर्डिंग व बैनरों को हटाकर जब्त करते हुए।

होर्डिंग व बैनर के लिए निर्धारित हैं स्थान

- निगम के एसडीओ राजेश शर्मा ने बताया कि होर्डिंग व बैनर लगाने के लिए विभिन्न स्थानों पर विज्ञापन साइट बनी हुई है। निर्धारित फीस जमा करवाकर कोई भी इन स्थानों पर अपने होर्डिंग व बैनर लगा सकता है। उन्होंने बताया कि कोई भी दुकानदार सड़क पर होर्डिंग, बोर्ड व बैनर रखकर अपना प्रचार न करें। इसके लिए दुकानदार अपनी दुकान के ऊपर बोर्ड व होर्डिंग लगा सकते हैं। इसके अलावा नगर निगम की अनुमति के बिना कोई भी होर्डिंग और बैनर न लगाए। बिना अनुमति लगाए गए होर्डिंग व बैनरों को हटाकर जब्त कर लिया जाएगा। शहर में अवैध रूप से लगाए गए होर्डिंग व बैनर हटाने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

रेलवे रोड पर शहीद भगत सिंह चौक से अग्रसेन चौक तक सड़क किनारे रखे होर्डिंग उठाकर निगम की ट्रॉली में लोड किए। यह होर्डिंग सड़क किनारे रखकर दुकानदारों ने अतिक्रमण किया हुआ था। कई बार निगम की टीम द्वारा इन्हें समझाया गया था। लेकिन फिर भी दुकानदारों द्वारा सड़क पर होर्डिंग व बैनर रखकर अतिक्रमण किया हुआ था। इसके अलावा उनकी टीम ने डिवाइडर पर लगे पोल, पेड़ों व अन्य स्थानों पर लगाए गए होर्डिंग भी हटाए गए।

यमुनानगर। शनिवार को कोहरा छाने के बाद सड़कों पर धीमी गति से गुजरते हुए वाहन।

जिले में कोहरे ने दी दस्तक मौसम में बढ़ रही ठंडक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

सर्दी का मौसम शुरु होने के बाद शनिवार को पहली बार जिले में कोहरे ने दस्तक दे दी है। शनिवार को सुबह नौ बजे तक जिले के रादौर, जठलाना समेत अन्य स्थानों पर घना कोहरा छाया रहा। जिससे लोगों को अपने गंतव्य पर पहुंचने में परेशानियों का सामना करना पड़ा। घने कोहरे के कारण सड़कों पर वाहन रेंगते हुए चले। वहीं, कोहरे के कारण मौसम में ठंडक बढ़ने से जिले के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। शनिवार सुबह लोग जब नींद से जागे घना कोहरा छाया हुआ था और मंद-मंद हवा चलने से मौसम में ठंडक बनी हुई थी। कोहरे के कारण सड़कों पर चलते हुए वाहन चालकों को परेशानी हुई। वाहन चालक लाइटें जगाकर अपने गणतव्य पर पहुंचे। वाहनों की रफ्तार कम होने से लोगों को अपने गंतव्य पर पहुंचने में देरी हुई। हालांकि सुबह नौ बजे के करीब कोहरा छंट गया और सूर्य देव के दर्शन होने से लोगों ने राहत की सांस ली। घना कोहरा पड़ने से आलू की फसल के लिए नुक्सानदायक हो सकता है। किसान मेहर सिंह, मंशा राम व सतीश कुमार का कहना है कि आजकल अधिकांश खेतो में आलू की फसल ग्रोथ कर रही है। ऐसे में घना कोहरा पड़ना फसल के लिए नुकसान दायक है।

तापमान में गिरावट

जिले में शनिवार को घना कोहरा छाए रहने से तामपान में गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को जिले का तापमान अधिकतम 24 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम डिग्री 8 सेल्सियस रहा। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो तापमान में आगे भी और गिरावट होने की आशंका है।

विद्यार्थी सफलता हासिल करने के लिए अपनी जिंदगी में अपनाएं नेकी के मूल्य : अरविंदर सिंह

- गुरु नानक खालसा कॉलेज में व्याख्यान का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

गुरु नानक खालसा कॉलेज में गुरु गोबिंद सिंह स्टडी सर्कल के सहयोग से श्री गुरु तेग बहादुर जी जीवन सिखियावां और योगदान विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में गुरु गोबिंद सिंह स्टडी सर्कल के एडिशलन चीफ सेक्रेटरी सरदार अजिंदर पाल सिंह ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरु नानक खालसा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरविंदर सिंह भल्ला ने की। मुख्य वक्ता सरदार अजिंद्र पाल सिंह ने सिखों के नौवें गुरु और धार्मिक आजादी और ह्यूमन राइट्स के ग्लोबल सिंबल श्री गुरु तेग बहादुर के जीवन, शिक्षाओं और सबसे बड़े बलिदान पर एक इंस्पायरिंग और बहुत ज्ञान देने वाला व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता हासिल करने के लिए अपनी जिंदगी में हिम्मत, दया और नेकी के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कालेज प्राचार्य डॉ. अरविंदर सिंह भल्ला ने व्याख्यान आयोजित करने के लिए पंजाबी डिपार्टमेंट और गुरु गोबिंद सिंह स्टडी सर्कल की कोशिशों की प्रशंसा की। कालेज प्रबंधक समिति के अध्यक्ष सरदार रणदीप सिंह जौहर ने प्रेरणादायी व्याख्यान के लिए आयोजकों की सराहना की। इस अवसर पर गुरु गोबिंद सिंह स्टडी सर्कल के कोऑर्डिनेटर डॉ. राजिंदर सिंह वोहरा, डॉ. तिलक राज, डॉ. अमरजीत सिंह और प्रो. जसप्रीत सिंह ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम योगदान दिया।

यमुनानगर। के गुरु नानक खालसा कालेज में आयोजित व्याख्यान के मुख्य वक्ता को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित करते हुए आयोजक। फोटो : हरिभूमि

नशा मुक्त देश के लक्ष्य को लेकर चल रहा संगठन : मेहता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

भगवती मानव कल्याण संगठन एवं पंच ज्योति शक्ति तीर्थ सिद्धाश्रम ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में रादौर क्षेत्र के गांव हाफिज़पुर में मां दुर्गा की महाआरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा की मूर्ति के समक्ष ज्योत प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर श्रद्धालु बलबीर सिंह कुंजल ने मंच का संचालन किया। वहीं, श्रद्धालु प्रविता ने गुरुवर व मां दुर्गा के जयकारे लगवाए। इस दौरान सभी श्रद्धालुओं ने तीन तीन बार शंखनाद किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र मेहता ने भाग लिया। मुख्यातिथि एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र मेहता ने कहा कि यह मां जगत जननी जगदम्बा का युग है। हमें अपने घरों में मां की आराधना करनी चाहिए। सबसे पहले हमे अपने घर को ही मंदिर का स्वरूप देना चाहिए। अपने घर के ऊपर शक्ति ध्वज लगाना चाहिए। जिससे समस्त देवी देवताओं का हमारे घर को आशीर्वाद मिलता रहे। क्योंकि जिस घर पर शक्ति ध्वज लगा हो उस घर पर मां की सभी सहायक शक्तियों का आशीर्वाद हमें प्राप्त होने लगता है। इस जीवन में कोई भी रिश्ता ऐसा नहीं है जो मां की तरह बलिदानी हो मां से बड़ी शक्ति इस धरती पर कोई नहीं है। इसलिए हमें मां की आराधना करनी चाहिए। राजेंद्र मेहता ने कहा कि हमारे गुरु ने समाज को तीन धाराओं से जोड़ने का संकल्प लिया है। जिससे समाज में परिवर्तन आना है। पहला भगवती मानव कल्याण संगठन दूसरा भारतीय शक्तिचेतना पार्टी और तीसरा पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम धाम। आज समाज में भगवती मानव कल्याण संगठन को अपना स्वर मुखर करना पड़ा है। संगठन के कार्यकर्ताओं के द्वारा एक और जहां जन जागरण के माध्यम से समाज को जागरूक किया जा रहा है।

यमुनानगर। गांव हाफिजपुर में आयोजित महाआरती में भाग लेते हुए श्रद्धालु।

शराब कारोबार बंद हो

राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को चाहिए कि जनहित को दृष्टिगत रखते हुए शराब का कारोबार चाहे वैध हो या अवैध उसे पूरी तरह से बंद कर देना चाहिए। अन्यथा विकास का ढोल पीटना सरकारे बंद कर दें। दूसरी ओर जहां बेटियों शादी करने के बाद ससुराल जाती हैं। वहां पर उनको आज बेटी का दर्जा नहीं दिया जाता है। वहां पर उनको गुलाम बनाकर रखने की कोशिश करते हैं । उनको प्रताड़ति किया जाता है।

रादौर की सड़कों से बेखौफ होकर गुजर रहे है ओवर लोड़ वाहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

रादौर क्षेत्र की सड़कों पर ओवरलोडिड वाहनों के गुजरने से लोग परेशान हैं। आए दिन सड़कों पर हादसे हो रहे हैं और लोग भयभीत हैं। रादौरवासियों का कहना है कि ओवरलोडिड वाहनों की वजह से सड़कों पर कहीं खंबे टूट रहे हैं तो कहीं पर सड़कें दरक रही हैं। कस्बावासियों ने जिला प्रशासन व प्रदेश सरकार से रादौर क्षेत्र की सड़कों पर गुजर रहे भारी वाहनों पर अंकुश लगाए जाने की मांग की।

क्षेत्र के गुरदेव सिंह, राकेश, कुलविंदर, सोनू, कर्मबीर, सुरेंद्र, चमनलाल ने बताया कि आए दिन कस्बा की सड़कों से ओवरलोड वाहन बेखौफ गुजर रहे हैं। रात के समय कोई आम व्यक्ति इनको रोकने की हिम्मत तक नहीं कर सकता। रात के समय ओवरलोड वाहन मौत बनकर घूमते हैं। ओवरलोड वाहनो के कारण नगरपालिका द्वारा बनाई गई सड़क टूटने लगी है। वहीं, ओवरलोड वाहन पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए शहर के बीच का रास्ता चुनते हैं। ओवरलोड वाहन सामने आने वाली हर वस्तु को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कस्बा में ओवर लोडिड वाहनों की टक्कर लगने से कहीं पर खंबे टूट गए हैं तो कहीं पर केवल तारों को नुक्सान पहुंचा है। उन्होंने सरकार व प्रशासन से मांग की कि ओवरलोड वाहनो को शहर की गलियों से जाने से रोका लाये।

यमुनानगर। के कस्बा रादौर में ओवरलोड वाहन की टक्कर से टूटा बिजली का खंभा।

बच्चों को करवाया शैक्षणिक भ्रमण

रादौर। लाइक पब्लिक स्कूल रादौर के नर्सरी व यूकेजी कक्षा के बच्चों को कस्बा के महाराणा प्रताप पार्क का शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया। भ्रमण के दौरान बच्चों को प्रकृति के बारे में जानकारी दी गई। यात्रा कार्यक्रम के अंतर्गत शहर के महाराणा प्रताप पार्क भ्रमण करवाया। स्कूल की प्रधानाचार्या मंजू रानी ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण करवाए जाने का मुख्य उद्देश्य बच्चों को प्रकृति के प्रति जागरूक बनाना तथा विभिन्न स्थानों से प्राप्त अनुभवों के माध्यम से उनकी अवलोकन क्षमता विकसित करवाना रहा। उन्होंने बताया कि बच्चों ने पार्क में पौधों-पेड़ो, झाड़यिों व फूलों की विभिन्न प्रजातियों के बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी समझी। भ्रमण से बच्चों में पर्यावरण संरक्षण, टीमवर्क, अनुशासन व प्रकृति के प्रति संवेद नशीलता विकसित हुई। बच्चों ने पार्क के खुले वातावरण में खेलकूद, समूह गतिविधियों व प्राकृतिक सौंदर्य का भरपूर आनंद लिया। बच्चों ने पार्क की स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखा और सभी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय प्रबंधन ने इस सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी शिक्षकों और अभिभावकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

पश्चिमी यमुना के दो करोड़ रुपये की लागत से पक्के होंगे चार घाट : बहमनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

शहर के नजदीक बह रही पश्चिमी यमुना के चार घाटों को दो करोड़ रुपये की लागत से पक्का और सुंदर बनाया जाएगा। सिंचाई विभाग द्वारा चारों घाटों को पक्का बनाने के लिए ई टेंडर लगा दिए हैं। उक्त जानकारी मेयर सुमन बहमनी ने शनिवार को पश्चिमी यमुना पर बनने वाले चारों घाटों का निरीक्षण करने के दौरान दी। मेयर सुमन बहमनी ने बताया कि चारों घाटों को पक्का करने के लिए सिंचाई विभाग द्वारा दो करोड़ 93 हजार 569 रुपये का टेंडर जारी किए हैं। टेंडर लेने वाली एजेंसी को लगभग छह माह में छठ पूजा के घाटों को पक्का करने का कार्य पूरा किया जाएगा। पक्के घाट करने के साथ चारों स्थानों पर यमुना में जाने के लिए सीढ़ियां बनाई जाएंगी। गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए पक्के घाटों पर जंजीरें लगाई जाएंगी। इसके अलावा हर घाट पर महिला व पुरुषों के लिए अलग अलग शौचालय बनाए जाएंगे। सुखा और गीला कचरा डालने के लिए चारों जगह पर अलग अलग डस्टबिन रखे जाएंगे। उम्मीद है कि अगले छठ पूजा के अवसर पर शहर के लाखों लोग यमुना के पक्के घाटों पर स्नान व पूजा पाठ कर सकेंगे। वहीं, हादसों में कमी आएगी। परियोजना के तहत पश्चिमी यमुना के हमीदा हेड के पास ,बाड़ी माजरा पूर्वी घाट, बाड़ी माजरा पश्चिमी घाट व चिट्टा मंदिर के पास के घाट पक्के किए जाएंगे। इन घाटों पर पंचकूला की तर्ज पर सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी।

यमुनानगर। पश्चिमी यमुना पर बनने वाले पक्के घाटों के स्थल का अन्य के साथ निरीक्षण करते हुए मेयर सुमन बहमनी।

महोत्सव | **सांसद खेल महोत्सव के तहत जगाधरी में खेल प्रतियोगिता का आयोजन**

खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने को केंद्र व प्रदेश सरकार बना रही नई-नई योजनाएं : कंवरपाल

हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने मुख्यातिथि के रूप में लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

सांसद खेल महोत्सव 2025 के तहत राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा के सहयोग से जगाधरी में खंडस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मुख्यातिथि के रुप में पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने भाग लिया। जबकि अध्यक्षता भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष निशचल चौधरी ने की। मौके पर विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया गया। मुख्यातिथि एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने कहा कि खेलों से खिलाड़ियों का मानसिक, बौद्धिक, शारीरिक व सर्वांगिण विकास होता है। खेलों के माध्यम से बहुत सी छुपी हुई प्रतिभाएं लोगों के सामने आती हैं। इस प्रकार के सांसद खेल आयोजनों के लिए वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा का धन्यवाद करते हैं। पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने बताया कि केंद्र सरकार व हरियाणा सरकार खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए नई नई योजनाएं लेकर आ रही हैं। जिसके सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। भारत देश के खिलाड़ी आज हर क्षेत्र में अपनी सफलता का झंडा लहरा रहे हैं। मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपालने सभी खिलाड़ियों की खेल भावना व प्रतिभा की तारीफ की। इस दौरान सौ, दो सौ, आठ सौ मीटर की दौड़ों समेत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

यमुनानगर। जगाधरी में विजेता खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल।

इन्होंने की कार्यक्रम में शिरकत

इस मौके पर मार्केट कमेटी के चेयरमैन विपुल गर्ग, चेयरमैन राकेश त्यागी, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रियंक शर्मा, मंडल अध्यक्ष कृष्ण खदरी, पार्षद अरूण कुमार, भाजयुमो जिला महामंत्री दीपक शर्मा,भाजपा जिला यमुनानगर मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग आदि मौजूद रहे।

श्याम लाल बेस्ट एम्पलोय ऑफ दी ईयर

- जेएमआईटी इंजीनियनिरंग कॉलेज रादौर में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

जेएमआईटी इंजीनियनिरंग कॉलेज रादौर के तत्वावधान में शनिवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को टाइटल दिए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के निदेशक डॉ. एसके गर्ग ने किया। निदेशक डॉ. एसके गर्ग ने बताया कि कालेज के लैब अटेंडट कर्मचारी श्याम लाल रादौर को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बेस्ट एम्पलोय ऑफ दी ईयर चुना गया। उन्होंने कहा कि श्याम लाल ने संस्थान को उत्कृष्ट सेवा से नवाजा है। संस्थान का नाम कर्मचारियों की मेहनत व लग्न से ही संभव हो सका है। संस्थान भी ऐसे मेहनती कर्मचारियों को सम्मानित करने का मौका नहीं छोड़ता है। जिससे कर्मचारी पूरी ईमानदारी व लग्न से संस्थान की सेवा कर सके। उन्होंने कर्मचारी श्याम लाल को बधाई देते हुए उनके स्वस्थ जीवन की कामना की। कर्मचारी श्याम लाल ने कहा कि संस्थान द्वारा उनको जो मान सम्मान दिया गया है। वह संस्थान के उच्चाधिकारियों व सेठ अशोक कुमार का हार्दिक आभार प्रकट करते है। कार्यक्रम में कॉलेज के निदेशक डॉ. एसके गर्ग ने कर्मचारी श्याम लाल को उपहार देकर सम्मानित किया।

यमुनानगर । रादौर कस्बामें जेएमआईटी कॉलेज में कर्मचारी श्यामलाल को सम्मानित करते निदेशक व अन्य।

खबर संक्षेप

नए टयूबवेल निर्माण कार्य का शुभारंभ

शाहबाद। विधानसभा क्षेत्र के अजरानी गांव में हरकेश सैनी के डेरे पर पेयजल संकट को देखते हुए नए टयूबवेल निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। निर्माण कार्य का शुभारंभ भाजपा नेता सुभाष कलसाना ने किया। सुभाष कलसाना ने कहा कि ग्रामीणों की यह चरिप्रतिक्षित मांग थी और टयूबवेल के बनकर तैयार होने पर ग्रामीणों को स्वच्छ और पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकेगा। सुभाष कलसाना ने कहा कि शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र के किसी भी गांव को मूलभूत सुविधा से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश का समान रूप से चहुंमुखी विकास हो रहा है और शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र का भी रिकार्डतोड़ विकास होगा।

हरियाणा रोडवेज जागृति मंच की बैठक आयोजित

कुरुक्षेत्र। हरियाणा रोडवेज जागृति मंच कुरुक्षेत्र डिपो कमेटी द्वारा एक मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग का संचालन डिपो सचिव प्रदीप जांगड़ा ने किया और मीटिंग की अध्यक्षता डिपो प्रधान नरेश सैनी ने की। मीटिंग के दौरान राज्य महासचिव राजबीर सैनी भी मौजूद रहे। डिपो सचिव प्रदीप जांगड़ा ने बताया कि कर्मशाला के अंदर बसों को रात के समय खड़ा करने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है कंडम बसों को हटाया जाए तथा पानी की टंकी की जगह को साफ करवाकर बसों को खड़ा करने के लिए पक्की जगह बनाई जाए। सभी बसों के इंडीगेटर, रिफ्लेक्टर टेप, फॉग लाईट ठीक करवाई जाए।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव : शिल्पकारों की अदभुत शिल्पकला को देखकर पर्यटक हुए आश्चर्य चकित

प्रदेशों की शिल्पकला ने महोत्सव में भरे इंद्रधनुषी रंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जब शिल्पकारों की अदभुत शिल्पकला को देखकर आश्चर्य चकित हुए पर्यटक, जहां एक ओर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आगाज हो चुका है, वहीं दूसरी ओर दूसरे प्रदेशों से ब्रह्मसरोवर के तट पर पहुंचे शिल्पकारों की अदभुत शिल्पकला ने पर्यटकों को आश्चर्य चकित कर दिया है। इस अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में ब्रह्मसरोवर का तट शिल्पकारों की शिल्पकला से सज चुका है और इस शिल्पकला को देखने वाले दूसरे प्रदेशों के पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय लोग भी इन शिल्पकला को देखकर हैरान हो रहे है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में 5 दिसंबर 2025 तक चलने वाले सरस और क्राफ्ट मेले में आने वाले पर्यटकों को इस बार अनोखी शिल्पकला देखने को मिल रही है और यहां पर आने वाले सभी पर्यटक इन सभी शिल्पकारों की शिल्पकला से निर्मित वस्तुओं की जमकर खरीददारी कर रहे है। इस महोत्सव में शिल्पकारों की अविश्वसनीय शिल्पकला और हाथ की कारीगरी ने ब्रह्मसरोवर के तट पर लगने वाले सरस और क्राफ्ट मेले की फिजा में इंद्रधनुष के सातों रंगों को एक सूत्र में पिरोकर भरने का काम किया है। इस महोत्सव में जहां एक ओर शिल्पकार अपनी शिल्पकला से महोत्सव में चार चांद लगा रहे है, वहीं दूसरी ओर ब्रह्मसरोवर के तट पर पर्यटकों के मनोरंजन के लिए एनजेडसीसी की तरफ से बहरूपिए लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र बने हुए है और सभी स्थानीय और दूर-दराज से आने वाले पर्यटक इन बहरूपियों के साथ सेल्फी लेकर इस अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का लुफ्त उठा रहे है।

सांस्कृतिक प्रस्तुति देते कलाकार

मेले में खरीदारी करते पर्यटक

गीता महोत्सव में शैक्षिक भ्रमण से अभिभूत हुए विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

गीता महोत्सव पर शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित शैक्षिक भ्रमण के सिलसिला जारी है। छात्र धर्मनगरी और विशेषकर गीता महोत्सव को देख अभिभूत नजर आए तथा इस अनुभव को जीवन में कभी न भूलने वाला क्षण बताया। अपने घरों को लौटते नुहं जिला के विद्यार्थियों जिनमें मुस्लिम छात्र-छात्राएं भी शामिल थे, ने कहा कि यहां उन्होंने भारतीय संस्कृति व लोक कलाओं का विराट रूप देखा। शिक्षा विभाग द्वारा भ्रमण को आए विद्यार्थियों के घूमने के साथ-साथ उनके स्वागत और रात्रि के समय सांस्कृतिक व मनोरंजन गतिविधियों का आयोजन भी किया जा रहा है। जिला परिषद की चैयरपर्सन कंवलजीत कौर ने डीपीसी इंदु कौशिक की उपस्थिति में विद्यार्थियों का स्वागत किया।

विद्यार्थी काल जीवन का सबसे अहम पड़ाव : जिप अध्यक्षा

गीता धाम में विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए जिप अध्यक्षा ने कहा कि विद्यार्थी काल जीवन का सबसे अहम पड़ाव है, जिसमें विद्यार्थी के भावी जीवन की दिशा व दशा तय होती है। गीता एक ऐसा ग्रन्थ है जो जीवन का मार्गदर्शक है। यहां इनका दृष्टिकोण स्पष्ट होगा और नए क्षेत्रों का ज्ञान भी होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। समग्र शिक्षा की डीपीसी इंदु कौशिक ने बताया कि प्रतिदिन एक जिला से 300 विद्यार्थियों व अध्यापकों का दल शैक्षिक भ्रमण के लिए आ रहा है। दूरवर्ती जिलों के विद्यार्थियों के लिए दो रात्रि तथा नजदीकी जिलों के लिए एक रात ठहराव व भोजन आदि की व्यवस्था की जाती है।

नवीन जिन्दल फाउंडेशन पैवेलियन बना आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान नवीन जिन्दल फाउंडेशन पैवेलियन सांसद खेल महोत्सव की हेल्थ वेलनेस कार्यक्रम में हर आयु के प्रतिभागी रूचि ले रहे हैं। नवीन जिन्दल फाउंडेशन पैवेलियन के बारे में जानकारी देते हुए सांसद कार्यालय प्रभारी एवं पूर्व आईएएस अधिकारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल युवाओं को स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल भावना की ओर प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उनकी पहल पर सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत आयोजित हेल्थ वेलनेस कार्यक्रम युवाओं में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने का एक सार्थक माध्यम बन रहा है। इस कार्यक्रम में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया जा रहा है। इसी क्रम में पैवेलियन में कुरुक्षेत्र इंटरनेशनल स्किल सेंटर और महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। उन्होंने कहा कि नवीन जिन्दल फाउंडेशन पैवेलियन, गीता महोत्सव में एक ऐसा केंद्र बन गया है जहां युवा ऊर्जा, शिक्षा, कौशल और स्वास्थ्य जैसी चारों दिशाओं में जागरूकता के साथ प्रगति की राह देख पा रहे हैं। उनकी यह पहल न केवल युवाओं को कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध करा रही है बल्कि उन्हें देश-विदेश में रोजगार के अवसरों से भी जोड़ रही है।

कुरुक्षेत्र विवि में अंतरराष्ट्रीय गीता सम्मेलन का आयोजन 24 नवंबर से

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 13 तकनीकी सत्रों में 16 देशों के 25 विद्वतजन गीता के सार पर मंथन करेंगे

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तथा कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय 10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन का केयू ऑडिटोरियम हॉल में 24 नवंबर को विधिवत शुभारम्भ होगा। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि 10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन में गीतोक्त स्वधर्मः कर्तव्यनिष्ठा, शांति और सद्भावना की प्रेरणा विषय पर देश-विदेश के गीता प्रेमी, विद्वान, गणमान्य अतिथि व अनेक देशों के प्रतिनिधि भागीदारी करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 13 तकनीकी सत्रों में 16 देशों के 25 विद्वतजन गीता के सार पर मंथन करेंगे। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि 24 से 26 नवंबर के बीच आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक में सभी संयोजकों एवं आयोजन समिति के सदस्यों को अहम दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं।

अज्ञानता के कारण मन में सकारात्मकता की कमी

कुलपति ने कहा कि वर्तमान में पूरे विश्व में अंशाति बढ़ रही है जिससे हमारे समाज तथा मन में सकारात्मकता की कमी आ रही है जिसका मुख्य कारण अज्ञानता है। उन्होंने कहा कि गीता पूरे मानव समाज को दिशा दिखाने वाला ग्रन्थ है जिससे आत्मसात करके इस अज्ञानता को दूर किया जा सकता है। यह आयोजन केवल एक शैक्षणिक सम्मेलन नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत ज्ञान-परंपरा का वैश्विक उत्सव है, जिसने मानवता को सत्य, धर्म, कर्तव्य, धैर्य और शांति का अनंत संदेश प्रदान किया है। इसमें ऑस्ट्रेलिया, जापान, अमेरिका, नेपाल, थाईलैंड, रूस, कजाखस्तान, हंगरी, चीन, स्पेन, लिथुआनिया, श्रीलंका, मलेशिया, इथियोपिया, बहरीन, बेलारूस और पोलैंड सहित अनेक देशों के विद्वान व शोधकर्ता भाग ले रहे हैं।

संस्कारों से जुड़कर भारत को विकसित बनाना है : बेदी

- श्रीमद भगवत गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्रभंजन वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

श्रीमद भगवत गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्रभंजन वार्षिकोत्सव 2025 बहुत ही धूमधाम से मनाना गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री कृष्ण वेदी रहे। हिंदू शिक्षा समिति हरियाणा के अध्यक्ष डॉ ऋषिराज वशिष्ठ मुख्य वक्ता, सम्पूर्ण सिंह महामंत्री, हिंदू शिक्षा समिति हरियाणा तथा विद्यालय के पूर्व छात्र व सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक संजय कुण्डू , विशिष्ठ अतिथि संजय चौधरी प्रसिद्ध उद्योगपति एवं सदस्य कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड कुरुक्षेत्र को विद्यालय छात्रो द्वारा तिलक तथा फल भेंट कर स्वागत किया गया। विद्यालय के प्राचार्य अनिल मदान ने सभी अतिथियों का परिचय कराकर स्वागत किया। विद्यालय प्रचार्य अनिल मदान ने विद्यालय वृत्त स्वयं बताकर तथा प्रोजेक्ट पर दिखाकर सम्पूर्ण वर्ष की उपलब्धियाँ बताई। मुख्यातिथि कृष्ण बेदी ने कहा कि गीता विद्यालय संस्कारयुक्त शिक्षा देता है। हमें अपनी माटी और संस्कारों से जुड़ते हुए भारत को विकसित बनाना है। इसलिए मेरा सभी से यह निवेदन है कि अपने बच्चों को पाश्चत्य संस्कृति से बचाकर भारतीय संस्कृति से जोड़ते हुए एक सुयोग्य नागरिक बनाने के लिए विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालयों में प्रवेश कराना चाहिए।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार का प्रमुख लक्ष्य: कृष्ण बेदी

पिहोवा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी पिहोवा पहुंचे, जहाँ

उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता कृष्ण गोपाल शर्मा, जिला सह प्रमुख सोशल मीडिया भाजपा के पुत्र केशव शर्मा के निवास पर पहुंच कर शर्मा परिवार को बधाई दी। जहाँ उनका पार्टी कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर मंत्री बेदी ने कहा कि भाजपा का मजबूत स्तंभ है और पार्टी को मजबूत करने में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने नवविवाहित दंपति के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री बेदी ने कहा कि सरकार का प्रमुख लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है।

महाराणा प्रताप स्कूल के नॉलेज एक्सपो ने किया आश्चर्यचकित

कुरुक्षेत्र। महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित नॉलेज एक्सपो 2025-26 ने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है। इस भव्य आयोजन में कक्षा 6 से 11 तक के 204 युवा प्रतिभाओं ने अपने 88 अद्वितीय मॉडल्स के साथ उपस्थित सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतिष्ठित स्कूलों और एनआईटी कुरुक्षेत्र के 5 जजों के विशिष्ट पैनल ने छात्रों की रचनात्मकता, नवाचार और प्रस्तुति कौशल से अत्यधिक प्रभावित हुए। उन्होंने युवा नवप्रवर्तकों की प्रशंसा की और उनकी असाधारण प्रतिभा और क्षमता को स्वीकार किया। उत्सव का वातावरण विद्युत ऊर्जा से भरपूर था। सभी छात्रों ने अनियंत्रित उत्साह के साथ भाग लिया और अपने जुनून और विचारों से उपस्थित सभी को प्रेरित किया। यह आयोजन वास्तव में एक त्रिगुण विजय था नवाचार का उत्सव, प्रतिभा का प्रदर्शन, और स्कूल की अटल प्रतिबद्धता का प्रमाण। प्रधानाचार्या प्रतिमा शर्मा ने सभी को बधाई दी और निर्णायक मंडल के सदस्यों को विद्यालय परिवार की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर इस अविश्वसनीय आयोजन का हिस्सा बनने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

- 204 युवा प्रतिभाओं ने 88 अद्वितीय मॉडल्स बनाए

हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं के नाम

तेरहवां पुरस्कार (सांत्वना पुरस्कार) (151 से 200)

❖ शंकर लाल पुत्र श्री राम अवतार निवासी गांव हनुमान ढाणी, जिला भिवानी ❖ कार्तिक पुत्र श्री श्याम सुन्दर निवासी वार्ड नं. 6, गांव चांग, भिवानी ❖ बिशम्बर पुत्र श्री हरीश चन्द्र निवासी गांव लहलाना जिला भिवानी ❖ भूप सिंह वशिष्ठ पुत्र श्री रामगोपाल निवासी मकान नं. 41, चौखमइश, भिवानी ❖ श्रेयांश पुत्र श्री संजीव कुमार निवासी अलबेला गली, जैन चौक, भिवानी ❖ प्रिया पुत्री श्री संदीप कुमार निवासी सीसीएसएचएयू, गेट नं.2, हिसार ❖ पूजा पत्नी श्री बिजेन्द्र निवासी गांव नर्कीपुर जिला भिवानी ❖ रविन्द्र पुत्र श्री राजपाल निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ निखिल कुमार पुत्र श्री सोमबीर निवासी गांव तिगराना जिला भिवानी ❖ रोबिन पुत्र श्री कुलबीर निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ कुलदीप पुत्र श्री करतार सिंह निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ संदीप पुत्र श्री सुरत सिंह निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ प्रदीप पुत्र श्री हरिचन्द निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ आकार दहिया पुत्र श्री कर्मवीर दहिया निवासी वार्ड नं. 3, गांव तिगराना, जिला भिवानी ❖ नेहा पत्नी आकाश दहिया निवासी वार्ड नं. 3, गांव तिगराना, जिला भिवानी ❖ आकाश पुत्र श्री संजय निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ जीवंश पुत्र श्री विकास निवासी ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ अमित पुत्र श्री वेद प्रकाश निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ नवीन पुत्र श्री प्रदीप अरोड़ा निवासी मकान नं. 219, चिरंजीव कालोनी, भिवानी ❖ रोहित पुत्र श्री ओम प्रकाश निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ कांता पत्नी बलबीर शर्मा निवासी इंद्रा गार्डन के पीछे, बैंक कालोनी, भिवानी ❖ संदीप पुत्र श्री सुभाष निवासी नजदीक ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ नीलम देवी पत्नी श्री मनोज कुमार निवासी गांव व डाकखाना तिगड़ाना, जिला भिवानी ❖ सोमबीर सिंह पुत्र श्री प्रभाती राम निवासी गांव तिगड़ाना, वार्ड नं. 3, जिला भिवानी ❖ प्राची पुत्री श्री विरेन्द्र निवासी ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ मदन लाल पुत्र श्री रामधारी निवासी मकान नं. 582, सेक्टर 13, हुडा, भिवानी ❖ महाबीर सिंह पुत्र श्री चन्दगी राम निवासी गांव व डाकखाना दिनोद, वार्ड नं. 5, भिवानी ❖ धर्मवीर सिंह पुत्र श्री प्रभाती राम निवासी गांव तिगड़ाना वार्ड नं.3, जिला भिवानी ❖ मनोज कुमार पुत्र श्री प्रभाती राम निवसी गांव तिगड़ाना, जिला भिवानी ❖ सचिन पुत्र श्री कर्मबीर निवासी गांव तिगड़ाना जिला भिवानी ❖ सुमन देवी पत्नी श्री सोमबीर निवासी वार्ड नं.3, गांव तिगड़ाना जिला भिवानी ❖ रवि कुमार पुत्र श्री सोमवीर निवासी गांव तिगड़ाना जिला भिवानी ❖ सन्तोष देवी धर्मपत्नी करनबीर सिंह, दाड़ौली, चरखी दादरी ❖ पूर्वांशी सुपुत्री सोमबीर, दगड़ौली, चरखी दादरी ❖ भूपेश सुपुत्र श्री सोमबीर, दगड़ौली, बाढड़ा, चरखी दादरी ❖ श्री आनन्द सुपुत्र प्रभु सिंह, एमसी कॉलोनी, चरखी दादरी, तह. जिला चरखी दादरी ❖ श्री पवन कुमार हेयर ड्रेसर, सुपुत्र श्री सुभाष चंद्र, हीरा चौक, बधवाना गेट, तह. व जिला चरखी दादरी ❖ श्री दलबीर सिंह सुपुत्र श्री शीशराम नंबरदार, बिरही कलां, तह. व जिला चरखी दादरी ❖ श्री जय भगवान सुपुत्र श्री नफे सिंह, 1344/1, लाल बहादुर शास्त्री नगर, रोहतक ❖ श्री रामकवार सुपुत्र श्री गुगुनराम (पानन्य), गांव व डा. करौंथा, शीतल नगर, रोहतक ❖ श्रीमति पूजा पत्नी श्री सुनील चावला, म.नं. 304, बड़ा पाना, कलानौर, रोहतक ❖ श्री धर्मवीर सुपुत्र मीर सिंह, गांव व डा. बलियाणा, तह. सांपला, रोहतक ❖ श्री योगेश सुपुत्र नरेंद्र, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्री भास्कर राय सुपुत्र श्री रामचंद्र राय, 824/20, एकता कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री संजय सुपुत्र श्री रामतीर्थ शर्मा, 1035/1, शास्त्री नगर, रोहतक ❖ श्री मनमोहन सुपुत्र श्री नरेंद्र जिंदल, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्रीमति राजरानी पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्री नरेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री महावीर प्रसाद, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्री अशोक सुपुत्र श्री ओमप्रकाश, अग्रसेन कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री दीपक सुपुत्र श्री अशोक, अग्रसेन कॉलोनी, रोहतक

क्रमशः

शेष विजेताओं की सूची अगले अंक में देखें

आवश्यक सूचना :

1. सभी पुरस्कारों का वितरण 1 दिसम्बर 2025 से किया जाएगा।
2. पुरस्कार संख्या 1 से 3 तक के विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
3. पुरस्कार संख्या 4 से 13 उपहार के विजेताओं को संबंधित हरिभूमि कार्यालय अभिकर्ता से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
4. यदि किसी भी पुरस्कार पर सरकार के नियमानुसार टी.डी.एस. लागू होगा तो विजेता को लागू टी.डी.एस. की राशि हरिभूमि कार्यालय में एडवांस में जमा करनी होगी।
5. पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आपको अपने साथ पुरस्कार विजेता की फोटो आईडी की फोटो प्रति जमा करनी होगी। मूल प्रति को मिलान हेतू साथ में लाना अनिवार्य है।
6. अधिक जानकारी के लिए आप निम्न नम्बरों पर हरिभूमि प्रसार विभाग में प्रात: 11.00 से सायं 4.00 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं :- फोन : 9253681019-20

- कार्यालय पता -

हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

धर्म- कर्म | इस्कॉन के गौरचंद्र प्रभु के प्रवचन ने भक्तों को किया भावविभोर

'हरे राम हरे कृष्ण' के लगे जयकारे, भंडारा प्रसाद वितरण के साथ समापन

बाबा बंसी वाला वृद्ध आश्रम में भक्ति रस से सराबोर हुआ संकीर्तन कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लाडवा

बाबा बंसी वाला वृद्ध आश्रम एवं अन्नक्षेत्र में शुक्रवार शाम को भक्ति रस की धारा बही। वृद्ध आश्रम में इस्कॉन के गौरचंद्र प्रभु ने अपने प्रवचन व हरे राम हरे कृष्ण संकीर्तन से उपस्थित जनसमूह को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। पानीपत के उद्योगपति अजय सिंगला ने दीप प्रज्वलित करके प्रवचन का शुभारंभ किया। प्रवक्ता गौरचंद्र प्रभु जी ने कहा कि हरे राम हरे कृष्ण महामंत्र है और भगवान का नाम ही इस पूरे मंत्र की जान है। इस मंत्र में केवल भगवान का ही नाम है और कोई शब्द नहीं है। यह सोलह अक्षर का नाम कलियुग के सभी कल्मष का नाश करने वाला है। संकीर्तन में उपस्थित सभी लोग महामंत्र के जाप के साथ झूमते नजर आए। प्रवचन व संकीर्तन के बाद भंडारा प्रशाद का भी वितरित किया गया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सुनील गर्ग, शिव गुप्ता, पवन गर्ग, डॉ गणेश दत्त शर्मा, सुभाष जिंदल, प्रदीप सहगल, डा मनोज गर्ग, पवन गोयल, विकास सिंघल, अनुज गोयल, संजय सिंगला, कुंवर सिंघल, राजकुमार सैनी, सतपाल धीमान, अनिल गुप्ता, अमन सिंगला, दुर्गेश गोयल, देशराज मंगला, मुकेश गर्ग, मनमोहन गर्ग, रुमित गर्ग, महेश कुमार, लक्की गर्ग, राजकुमार पांचाल, बलबीर सिंह, सुमित बंसल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आदेश अस्पताल स्त्री रोग व प्रसुति सेवाओं में सशक्त सुविधाएं दे रहा : मोनिका

हरिभूमि न्यूज. कुरुक्षेत्र। मोहड़ी स्थित आदेश मेडिकल कॉलेज व अस्पताल के गायनी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. मोनिका ने कहा कि आदेश अस्पताल स्त्री रोग व प्रसूति सेवाओं में लगातार बेहतर व सशक्त सुविधाएँ उपलब्ध करा रहा है। अत्याधुनिक लेप्रोस्कोपी उपकरण, अनुभवी चिकित्सक व स्टाफ और सुरक्षित वातावरण के कारण मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाएं मिल रही हैं। जिसका फायदा जिला कुरूक्षेत्र के साथ-साथ आस-पास के जिलों व हिमाचल तक की महिलाओं को मिल रहा है। डा. मोनिका ने विशेष बातचीत में बताया कि स्त्री रोग उपचार में अत्याधुनिक लेप्रोस्कॉपी तेजी से लोकप्रिय होती जा रही है। क्योंकि यह तकनीक कम दर्द, कम रक्तस्राव, जल्दी रिकवरी करने का सशक्त माध्यम है और साथ ही इस तकनीक से उपचार होने पर रोगी को अस्पताल में कम रहना पड़ता है।

खबर संक्षेप

लूट के मामले में आरेपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना नग्गल में दर्ज लूट के मामले में सीआईए-1 ने आरोपी मोहम्मद हुसैन उर्फ कालू को गिरफ्तार किया है। उसे चार दिन के रिमांड पर लिया गया है। इस दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी। गौरसियां गांव के मनजीत सिंह उर्फ मनीष ने 26 सितंबर 2023 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 25/26 सितंबर 2023 को आरोपी ने श्मशान घाट नग्गल के पास उसकी कनपटी पर पिस्तौल रखकर उसकी 60 भेड़ें लूट ली हैं। इस शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी को काबू कर लिया है।

हेरोइन तस्करी का आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। एंटी नारकोटिक सैल ने हेरोइन तस्करी के मामले में संलिप्त अन्य आरोपी काव्या को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे तीन दिन के रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी। एएनसी को सूचना मिली थी कि आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी का कार्य करता है। नाकाबंदी के दौरान जांच टीम ने मुख्य आरापी को अंबाला छावनी क्षेत्र सुभाष पार्क रोड के पास से काबू किया था। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 17 ग्राम 77 मिलिग्राम हेरोइन बरामद की थी।

सामान चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना पड़ाव में दर्ज चोरी के मामले में सीआईए-1 ने आरोपी सतपाल उर्फ चूना व हरीश उर्फ धन्ना को गिरफ्तार किया है। सेक्टर 34 के राकेश कुमार ने 12 अक्तूबर को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 11/12 अक्तूबर को आरोपी ने सैक्टर-34 अंबाला छावनी में स्थित उसके निर्माणाधीन मकान का दरवाजा तोड़कर बिजली फिटिंग के तारें, बिजली मशीन की मोटर, मिस्त्री के औजार व अन्य सामान चोरी किया है।

ओवरसीज एजुकेशन काउंसलिंग सेमिनार

अंबाला। अंबाला छावनी स्थित जीएमएन कॉलेज ऑफ नर्सिंग में नर्सिंग विद्यार्थियों के लिए निशुल्क 'ओवरसीज़ एजुकेशन काउंसलिंग सेमिनार' का आयोजन किया गया। उद्देश्य छात्रों को विदेशों में उच्च शिक्षा से संबंधित अवसरों प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

मंत्री विज बोले-प्रधानमंत्री मोदी को सुनने के लिए हजारों कार्यकर्ता कुरक्षेत्र जाएंगे

श्री गुरु तेग बहादुर जी ने समूचे हिंदुस्तान के लिए दी थी शहादत

अंबाला। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते मंत्री अनिल विज। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि श्री गुरू तेग बहादुर ने अपनी शहादत किसी धर्म व जाति के लिए नहीं बल्कि समूचे हिंदुस्तान के लिए दी थी। सी वजह से उनको हिंद की चादर कहा जाता है। विज शनिवार को फारूखा खालसा स्कूल में भाजपा कार्यकर्ताओं को 25 नवंबर को श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस पर कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आ रहे हैं। कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए अंबाला छावनी से हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और श्रद्धालु हिस्सा लेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल होकर गुरू जी का आशीर्वाद प्राप्त करें। उन्होंने कहा कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक कार्यक्रम में हर उस व्यक्ति को जो अपने आपको हिंदुस्तानी मानता है उसे इस कार्यक्रम में बढ़चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए क्योंकि गुरू जी को हिंद की चादर कहा जाता है। उन्होंने कहा कि 25 नवंबर को दोपहर दो बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुरुक्षेत्र में आएंगे। वो गुरू तेग बहादुर शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम व गीता जयंती महोत्सव में शामिल होंगे। उन्होंने कहा शहीदी दिवस पर आयोजित होने वाले समागम में सभी लोग मर्यादा अनुसार समागम में हिस्सा लेंगे। विज ने कहा कि श्री गुरू तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस देश में श्रद्धापूर्वक मनाया जा रहा है। हरियाणा सरकार ने चार नगर कीर्तन यात्रा निकाली है।

ये रहे मौजूद

बैठक के दौरान भाजपा नेता ललता प्रसाद, मदनलाल शर्मा, संजीव सोनी, विजेंद्र चौहान, किरणपाल चौहान, अजय बवेजा, प्रवेश शर्मा, रवि बुद्धिराजा, हर्ष बिंद्रा, विकास बहगल, तरविंद्र सिंह, प्रमोद लक्की, बलित नागपाल व अन्य मौजूद रहे।

हजारों श्रद्धालुओं ने शहीदी यात्रा में हिस्सेदारी कर लिया आशीर्वाद

अंबाला। श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में निकाली जा रही शहीदी यात्रा (नगर कीर्तन) शनिवार को ऐतिहासिक गुरूद्वारा लखनौर साहिब से शुरू हुई। इससे पहले सिख संगत व अन्य श्रद्धालुओं ने अरदास भी की। इस अवसर पर भाजपा जिलाअध्यक्ष मनदीप राणा, मार्केट कमेटी के चेयरमैन जसविंद्र उगाड़ा, हरियाणा सिख गुरद्वारा प्रबंधक कमेटी के कार्यकारी सदस्य गुरतेज सिंह, सदस्य सुखदेव सिंह नन्यौला के साथ-साथ संगत ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का अभिनंदन किया। भाजपा जिलाअध्यक्ष मनदीप राणा व अन्य ने ऐतिहासिक गुरद्वारा लखनौर साहिब में माथा टेका व गुरू का आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इस दौरान गुरद्वारा प्रबंधक कमेटी ने जिलाध्यक्ष को सिरोपा भेटकर उनका अभिनंदन भी किया। जिलाध्यक्ष मनदीप राणा ने बताया कि श्री गुरु तेग बहादुर के जीवन, शिक्षाओं और सर्वोच्च बलिदान को दर्शाती यह शहीदी यात्रा (नगर कीर्तन) शहरी व ग्रामीण श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रतीक बनी हुई है। सिख संगत के साथ-साथ अन्य श्रद्धालु यात्रा का श्रद्धापूर्वक सम्मान भी कर रहे हैं। गुरू के पवित्र स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद भी प्राप्त कर रहे हैं। यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा की गई सेवा भावना—लंगर वितरण, प्रसाद और पुष्प वर्षा इस यात्रा को मानवता, त्याग और धार्मिक सौहार्द का प्रेरणादायक प्रतीक बना रही है। यह शहीदी यात्रा (नगर कीर्तन) श्री गुरु तेग बहादुर के बलिदान, धर्म रक्षा और मानव अधिकारों के संदेश को जन-जन तक पहुंचा रही है।

■ ऐतिहासिक गुरूद्वारा लखनौर साहिब से शुरू हुई यात्रा बराड़ा पहुंची, रात्रि ठहराव के बाद कुरुक्षेत्र में करेगी प्रवेश

अंबाला। नगर कीर्तन में आशीर्वाद लेने पहंचे भाजपा जिलाध्यक्ष व अगुवाई करते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

अंबाला। कार्यक्रम के दौरान मौजूद शिक्षक व छात्र। फोटो : हरिभूमि

बच्चों ने दी गुरु तेग बहादुर के जीवन पर शानदार प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी के गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज के यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यू सैल एवं साइंस सोसायटी द्वारा गुरु तेग बहादुर के जीवन वृत्तांत" पर एक प्रस्तुति का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को गुरु तेग बहादुर की शिक्षाओं, त्याग और आध्यात्मिक योगदान से परिचित कराना था, साथ ही उनके साहस, करुणा और धार्मिक स्वतंत्रता के संदेश को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम प्राचार्य प्रो. (डॉ.) देस राज बाजवा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। यह प्रस्तुति बीएल एससी. प्रथम वर्ष के छात्र तनुज एवं उनकी टीम द्वारा दी गई। छात्रों ने गुरु तेग बहादुर के जीवन के प्रमुख प्रसंगों, दार्शनिक विचारों और सर्वोच्च बलिदान पर प्रकाश डाला जिससे विद्यार्थियों में मानवता, नैतिक शक्ति और विविधता के सम्मान जैसे मूल्यों को बढ़ावा मिला। आयोजन में डॉ. रजनी सैनी, डॉ. प्रियंका, डॉ. सुषमा, डॉ. समीक्षा, प्रो. शिल्पा और प्रो. रीटा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इनके सहयोग से कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित हुआ। लगभग 70 छात्रों और विज्ञान संकाय के शिक्षकों ने कार्यक्रम में सहभागिता की और गुरु तेग बहादुर की शिक्षाओं एवं आदर्शों के प्रति गहरी समझ प्राप्त की। कार्यक्रम के उपरांत विद्यार्थियों द्वारा कॉलेज में प्रसाद का वितरण किया गया, जिससे कार्यक्रम में भक्ति, श्रद्धा और सामूहिकता की भावना और सुदृढ़ हुई।

सेहत को तंदरुस्त रखने के लिए हरी सब्जियां व मौसमी फल खाएं महिलाएं

शहजादपुर। गांव गणेशपुर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण अभियान के अंतर्गत सीबीई (कम्युनिटी बेस्ड इवेंट) की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में गांव की महिलाओं, गर्भवती एवं धात्री माताओं तथा बच्चों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। बैठक के दौरान सुपरवाइजर मनप्रीत कौर ने उपस्थित महिलाओं को महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें, दूध, अंकुरित अनाज और मौसमी फल आहार का हिस्सा होने चाहिए। उन्होंने कहा कि फास्ट फूड और जंक फूड से बचें। गर्भवती एवं धात्री माताएं विशेष रूप से पौष्टिक आहार लें, ताकि बच्चे का विकास स्वस्थ रूप से हो सके। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि गर्भधारण के तुरंत बाद स्वास्थ्य विभाग में समय पर रजिस्ट्रेशन करवाना बेहद आवश्यक है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पलविंदर कौर ने बैठक में उपस्थित महिलाओं को लड़का-लड़की समानता पर जागरूक किया। उन्होंने कहा कि बेटियां किसी भी रूप में बेटों से कम नहीं हैं और उन्हें समान शिक्षा, पोषण और अवसर मिलना चाहिए। बैठक में गांव की ही युवती संगीता ने सभी महिलाओं को पौष्टिक भोजन के फायदे और फास्ट फूड से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया। अंत में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रेखा ने बैठक में उपस्थित सभी महिलाओं एवं माताओं का आभार व्यक्त किया।

■ पोषण अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन

शहजादपुर। पोषण अभियान के दौरान मौजूद महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

27 को होगी कार्यशाला शिक्षाविद् करेंगे हिस्सेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

लॉर्ड कृष्णा कॉलेज ऑफ एजुकेशन अधोया में 27 को दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में क्षेत्र के अनुभवी शिक्षाविद भाग लेंगे और अपने विचारों व अनुभवों को सांझा करेंगे। कॉलेज प्राचार्य डॉ. रेणू सोहता ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होते हैं बल्कि राष्ट्र की संस्कृति और सामाजिक संरचना को सुदृढ़ बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि शिष्टाचार हमारी सभ्यता, संस्कृति और जीवन मूल्यों का आधार है, जो व्यक्तियों के बीच सम्मान, सौहार्द और सहयोग की भावना को मजबूत बनाता है। बदलते समय में बच्चों और युवाओं में शिष्टाचार के संस्कार विकसित करना अत्यंत आवश्यक है जिससे वे जिम्मेदार, संवेदनशील और संस्कारित नागरिक बन सकें। उन्होंने सभी स्कूल, कॉलेज व अन्य गणमान्य लोगों से इस कार्यक्रम में शिरकत करने की अपील की।

■ शिष्टाचार हमारी सभ्यता, संस्कृति और जीवन मूल्यों का आधार

उपलब्ध करवाई 5000 से ज्यादा परीक्षणों की सुविधा

■ डीएवी कॉलेज में एनएसएस यूनिट द्वारा आयोजित एक दिवसीय रक्त जांच शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर स्थित डीएवी कॉलेज (लाहौर) में शनिवार को एनएसएस यूनिट द्वारा एक दिवसीय रक्त जांच शिविर आयोजित किया गया। यह आयोजन कॉलेज परिसर सुबह 8:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक संपन्न हुआ। शिविर का उद्देश्य छात्रों एवं कर्मचारियों को किफायती दरों पर आवश्यक स्वास्थ्य जांच सुविधाएं उपलब्ध कराना था। शिविर में हितिका सोनी अपने विशेषज्ञ दल के साथ कॉलेज पहुंचीं। विभिन्न प्रकार के डायग्नोस्टिक परीक्षण अत्यंत व्यवस्थित एवं पेशेवर ढंग से संपन्न करवाए। उनकी टीम ने छात्रों और स्टाफ को प्रत्येक जांच प्रक्रिया के बारे में स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान किया और रिपोर्टिंग से संबंधित जानकारी भी सांझा की। शिविर में 5000 से अधिक परीक्षणों की सुविधा रियायती दरों पर उपलब्ध कराई गई। बेसिक टेस्ट जैसे—शुगर, कोलेस्ट्रॉल, यूरिक एसिड तथा कैल्शियम, एचबीएआईसी, लिपिड प्रोफ़ाइल, थॉयरायड प्रोफ़ाइल तथा विटामिन डी जैसे प्रमुख परीक्षण भी कम शुल्क पर उपलब्ध करवाए गए। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रियंका चौधरी एवं डॉ. खुशबू मल्होत्रा ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य कॉलेज समुदाय में स्वास्थ्य-जागरूकता को बढ़ावा देना और नियमित जांच के महत्व को समझाना है।

अंबाला। शिक्षकों के साथ शिविर में मौजूद जांच टीम। फोटो : हरिभूमि

शिक्षा के साथ-साथ खेलों से बच्चों का पूर्ण विकास :डॉ. विकास कोहली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर स्थित पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राइमरी विंग में वार्षिक खेल दिवस प्रतियोगिता के तीसरे व अंतिम चरण में कक्षा पांचवीं के 290 छात्र-छात्रओं ने खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसमें स्केटिंग , कैरम , चेस , कराटे, वुशु और बॉक्सिंग, 100 मीटर रेस का आयोजन करवाया गया। बच्चों ने आपसी समन्वय, खेल भावना व पुरे आत्मविश्वास से इस खेल दिवस में हिस्सा लिया। सभी खेल विभिन्न प्रशिक्षित प्रशिक्षकों की निगरानी में करवाए गए। स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. विकास कोहली ने कहा कि खेल जीवन का एक अभिन्न अंग है। शिक्षा के साथ साथ खेलों से बच्चों का पूर्ण विकास होता है। वे आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनते है। उन्होंने बताया कि खेलों में अग्रणी भूमिका निभाते हुए स्कूल बच्चों को राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर भेजता है।

अंबाला। चेस स्पर्धा में हिस्सा लेते छात्र। फोटो : हरिभूमि

भूमि विवाद को लेकर हमले में महिला सहित तीन घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

नन्यौला गांव में जमीन विवाद के चलते युवक ने अपने साथियों सग मिलकर ताऊ, चाचा व चाची पर डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनने के बाद अन्य ग्रामीणों ने बीचबचाव कर मामले को शांत करवाया। इस मारपीट में सुरिंद्र सिंह, स्वर्ण सिंह व बलबीर कौर घायल हो गए। नग्गल थाना पुलिस ने गुरजीत सिंह की तहरीर पर निर्मल सिंह, तरनवीर, परमजीत सिंह, तरनजीत के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। गुरजीत ने बताया कि उसके दादा श्रवण सिंह ने उनके पिता सुरिंद्र सिंह व उनके चाचा बलविंद्र सिंह और स्वर्ण सिंह को बराबर जमीन बांटकर दी थी। भीतर का मकान चाचा बलविंद्र सिंह के हिस्सा में आया था और बाहर बाड़े की जगह उसके पिता वा चाचा स्वर्ण सिंह के हिस्सा में आ गई थी। 19 नवंबर को वह अपनी जगह की गिनती करवाने के बाद अपनी जगह पर पिल्लर लगा रहे थे तभी झगड़ा हो गया। देखते ही देखते चाचा का बेटा निर्मल सिंह व उसके साथ तरनवीर व 6 अन्य युवक कार में पहुंचे। सुरिंद्र सिंह, स्वर्ण सिंह व बलबीर कौर पर हमला कर भाग गए। अब पुलिस आरोपियों को तलाश रही है।

उत्साह के साथ ब्लाइंड क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ, चार टीमें कर रहे हिस्सेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

कस्बे में ब्लाइंड क्रिकेट नॉर्थ ज़ोन टूर्नामेंट बड़े उत्साह और जोश के साथ शुरू हो गया। यह टूर्नामेंट 24 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। इसका संचालन ब्लाइंड क्रिकेट अकादमी हरियाणा नॉर्थ ज़ोन के सेक्रेटरी कृष्ण मलिक द्वारा किया जा रहा है। इस शुभारंभ अवसर पर एसडीएम सतीश सिहाग ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने पहली गेंद खेलकर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया जिससे पूरे मैदान में उत्साह का वातावरण बन गया। इसी क्रम में चेयरमैन इंद्रजीत सिंह ने भी गेंद खेलकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और टूर्नामेंट की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। क्रिकेट बोर्ड के कार्यकारिणी अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने बताया कि टूर्नामेंट में कुल चार टीमें भाग ले रही हैं। इनमें गुरुग्राम , रोहतक , अंबाला और हिसार शामिल है । अनिल कुमार, कंवर प्रताप, हरेंद्र आदि मौजूद रहे।

बराड़ा। मैच से पूर्व खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते मुख्यातिथि।

राजनीति | पार्टी लाइन से हटकर सार्वजनिक प्लेटफोर्म पर ब्यानबाजी करने वाले नेताओं के खिलाफ होगी ठोस

अनुशासन कमेटी ने जिलाध्यक्षों के साथ पार्टी नेताओं को पढ़ाया अनुशासन का पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस की अनुशासन कमेटी ने शनिवार को पार्टी के जिलाध्यक्षों समेत दूसरे नेताओं व कार्यकर्ताओं को अनुशासन का पाठ पढ़ाया। कमेटी के अध्यक्ष व पूर्व सांसद धर्मपाल सिंह मलिक ने साफ कहा कि पार्टी लाइन के खिलाफ सार्वजनिक तौर पर बयान देने वाले नेताओं के खिलाफ अब ठोस कार्रवाई होगी। बेशक बयान देने वाले पार्टी के विधायक व वरिष्ठ नेता ही क्यों न हों? असल में शनिवार को अंबाला छावनी के कांग्रेस भवन में कमेटी के अध्यक्ष चौधरी धर्मपाल मलिक की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस की अनुशासन कमेटी की अहम मीटिंग हुई। इस मीटिंग में पार्टी के शहरी व ग्रामीण अध्यक्षों के साथ बड़ी संख्या में नेता व कार्यकर्ताओं ने भी हिस्सा लिया। बैठक में समिति के सदस्य पूर्व सांसद कैलाशो सैनी, पूर्व विधायक अनिल कुमार धंतौड़ी तथा सदस्य-सचिव एडवोकेट रोहित जैन उपस्थित रहे। समिति के सदस्य-सचिव श्री रोहित जैन ने बताया कि पार्टी में अनुशासन बनाए रखने के लिए पार्टी हाईकमान की ओर से बनाई गई अनुशासन कमेटी ने अपना काम शुरू कर दिया है।

अंबाला। मीडिया से बातचीत करते कांग्रेस अनुशासन कमेटी के चेयरमैन व सदस्य। फोटो : हरिभूमि

मिली जिम्मेदारी पर उतरेंगे खरा

अनुशासन समिति के चेयरमैन चौधरी धर्मपाल सिंह मलिक ने अंबाला छावनी के कांग्रेस भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए साफ कहा की केंद्रीय नेतृत्व की ओर से उन्हें बड़ी अहम जिम्मेदारी दी है वे उस पर पुरी तरह खरा उतरेंगे । उन्होंने कहा कि उनकी कमेटी के गठन का उद्देश्य पूरी तरह से साफ है। उन्होंने कहा की अनुशासन समिति को हिसार व सिरसा से कुछ शिकायते मिली है। इन शिकायतों पर हम कार्रवाई करने जा रहे है। जिन नेताओ ने पार्टी के दिशा निर्देशों की पालना नही की है उन्हें कारण बताओ नोटिस भेजे जाएंगे। नोटिस का संतोष जनक जवाब न मिलने पर कड़ी करवाई होगी। मलिक ने कहा की अनुशासन समिति का कोई सदस्य या चेयरमैन किसी गुट का नहीं है। केंद्रीय नेतृत्व की और से मिली जिम्मेदारी को निभाने के लिए पुरी कमेटी एकजुट है। उन्होंने कहा की कोई भी नेता या कार्यकर्ता पार्टी से बड़ा नही होता, हमने सख्ती के साथ सभी नेताओं को यह स्पष्ट कर दिया है की वे पार्टी से बड़े नहीं हैं । पूछे जाने पर मलिक ने कहा की अभी तक कमेटी के पास लिखित में 4 शिकायतें आई हैं।

पांच जोन में बांटा प्रदेश

अनुशासन कमेटी के सदस्य सचिव एडवोकेट रोहित जैन ने बताया कि कमेटी सभी जिलों में अनुशासन को लेकर बैठक आयोजित कर रही है। अंबाला छावनी में हुई बैठक तय कार्यक्रम का हिस्सा है। सभी जिलों में मीटिंग को लेकर कमेटी ने पूरे प्रदेश को पांच जोन में बांटा है। पहले जोन में पंचकुला, यमुनानगर, अंबाला, कुरूक्षेत्र तथा कैथल और दूसरे जोन में करनाल, पानीपत, सोनीपत व जींद को शामिल किया गया। इसी प्रकार तीसरे जोन में रोहतक, झज्जर, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, भिवानी व दादरी तथा चौथे जोन में फरीदाबाद, गुरुग्राम, नूंह व पलवल को रखा गया। हिसार, रोहतक, फतेहाबाद व सिरसा को पांचवें जोन में रखा गया। उन्होंने बताया की अनुशासन कमेटी की अगली मीटिंग तीसरे जोन के जिले भिवानी में 6 दिसंबर 2025 को आयोजित की जाएगी।

गोल्ड लाइफ स्कूल में हस्तलिखित सेमिनार

राजौंद। गोल्ड लाइफ स्कूल में हस्तलिखित लेखन कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में विश्व रिकॉर्ड होल्डर ओमप्रकाश सिवाच ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया और विद्यार्थियों को सुंदर व स्पष्ट लिखावट के महत्व और तकनीकों से अवगत कराया। सेमिनार की शुरुआत में विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा अतिथि का स्वागत किया। इसके बाद ओमप्रकाश सिवाच ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सुंदर लिखावट केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने का माध्यम नहीं, बल्कि यह व्यक्ति की सोच, अनुशासन और व्यक्तित्व को भी दर्शाती है। उन्होंने बच्चों को अक्षरों की सही बनावट, पेन पकड़ने का सही तरीका, लाइन में लिखने का अभ्यास और नियमित अभ्यास की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया।

बदल रहा मौसम का मिजाज
बढ़ती गर्मी-घटती सर्दी

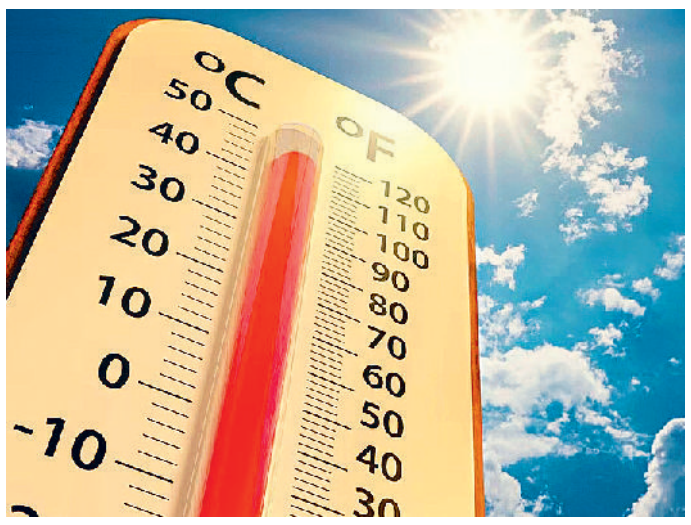

हालांकि इस वर्ष आने वाले दिनों के लिए कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना बताई जा रही है। लेकिन जिस तरह से मौसम का मिजाज वैश्विक स्तर पर बदल रहा है, उससे आगामी वर्षों में सर्दी की अवधि और उसकी तीव्रता घटती जाएगी। इसके उलट वर्षा कम होगी और गर्मी की तपिश बढ़ती जाएगी। इसके कई दुष्प्रभाव देखने को मिलेंगे। ऐसे में प्रभावी नीति बनाने के साथ सामूहिक प्रयास भी करने होंगे।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

सर्दी धीरे-धीरे बढ़ रही है। मौसम विभाग की ताजा भविष्यवाणी के अनुसार आने वाले दिनों में उत्तरी भारत में प्रबल शीत लहर की आशंका है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस साल जबरदस्त ठंड पड़ेगी। वजह होगी पर्याप्त वर्षा और अलनीनो प्रभाव। मगर क्या इस दौरान हम कड़कड़ाती सर्दियों वाले दिनों के लंबे दौर भी देखेंगे? यह भी आशंका है कि ठेठ ठिठुरन वाले दिन कुछ कम ही रहेंगे। सर्द रातों और ठंडी हवाओं का कम होना, केवल मौसम का प्रश्न नहीं बल्कि जीवन के संतुलन से भी जुड़ा है। यदि सरकारों ने वैज्ञानिक नीतियों को जनजीवन से जोड़ने की गति नहीं बढ़ाई और आम लोगों ने जरूरी सहभागिता नहीं की तो आने वाले वर्ष 2100 तक भारतीय उपमहाद्वीप का मौसम ऐसा होगा, जहां 'गर्मी ही सामान्य' और 'सर्दी एक दुर्लभ अनुभव' रह जाएगी।

आने वाले वर्षों में घटेगी सर्दी

संयुक्त राष्ट्र संघ एन्वॉयर्नमेंटल पैनल ऑफ क्लाइमेट की रिपोर्ट बताती है कि 1980 से 2020 के बीच यानी चालीस सालों में बेहद ठंडी रातों और अत्यंत सर्द दिनों की संख्या में चार गुना की कमी आई है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते जमीनी सतह का तापमान बढ़ने से बाकी दिनों में भी ठंड सामान्य ही रह रही है। ऐसे में घने कोहरे वाले दिन भी साल दर साल घट रहे हैं। यदि मौजूदा रुझान जारी रहा तो साल 2050 तक भारत में भीषण सर्दी वाले दिनों में 60 से 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट आने और गर्मी वाले दिनों में तीन गुना बढ़ोत्तरी की आशंका है।

ठंड की अवधि होती जाएगी कम

नेचर पत्रिका के अध्ययन के अनुसार 2080 से 2100 के बीच गर्म दिनों और रातों की घटनाएं सात गुना तक बढ़ेंगी। इस कारण 'कड़ाके की ठंड के दिन' लगभग विलुप्त हो सकते हैं। फिलहाल यह तय है कि अब सर्दियां 'पिछली शताब्दियों जैसी लंबी और स्थायी' नहीं होंगी। ठंड की अवधि कुछ कम और तीव्रता अस्थाई रहेगी। अल्पकालिक मौसमी उतार-चढ़ाव बने रहने के साथ सर्दी में भी कभी-कभी बारिश, गर्मी और पश्चिमी विक्षोभ के जैसे मौसम के अतिरेकी तेवर देखने को मिलेंगे। पांच-सात दशकों के बाद सर्दी का लगभग लोप हो जाना भविष्य के लिए कितना विनाशकारी होगा, इसका अंदाजा भी भयावह है।

बदल रहा है मौसम का चक्र

इस बात के संकेत अब स्पष्ट होने लगे हैं कि हिमालय से लेकर दक्षिण तक मौसम का पारंपरिक चक्र तेजी से बदल रहा है। भारत 'गर्मी प्रधान देश' बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

उत्तराखंड में कई जगहों पर बीते एक-दो दशकों के बीच तापमान में सामान्यतः तीन डिग्री तक की बढ़त देखी गई है। कमोबेश यही हाल हिमाचल और कश्मीर का भी है। वैज्ञानिकों के अनुसार भारत में न्यूनतम तापमान प्रति दशक औसतन 0.2 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ता जा रहा है। इसका मतलब है कि ठंडी हवाएं चलने की अवधि सिमटती जा रही है, जबकि गर्म रातें अब लंबी चलती हैं। इसका नतीजा यह है कि मिट्टी में नमी दिन-प्रतिदिन घट रही है। पेड़ कटने से हवा की नमी भी कम हो रही है। उधर जलस्रोत सूख रहे हैं, तो नदियों और पहाड़ी जलस्रोतों का पुनर्भरण कम हो रहा है और इसके चलते वर्षा चक्र अस्थिर हो गया है।

फसलों पर दिख रहा असर

हिमालयी और पर्वतीय राज्यों में इसका असर अब साफ दिख रहा है। सेब, केसर और बागवानी की अन्य फसलें जो ठंडी रात-दिन के अंतर पर निर्भर हैं, उनका उत्पादन गिरने लगा है। सेब के फूल बिन मौसम खिल जा रहे हैं, तो उनके पकने और रसीले होने के लिए जो कड़क सर्दी चाहिए, वह उनको लगातार कुछ दिनों तक नहीं मिल रही, सो गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ रहा है। किसान अब कम ऊंचाई पर 'ऊष्णकटिबंधीय फसलें', बाजरा और मक्का उगाने को मजबूर हैं, जिससे पहाड़ी कृषि की पारंपरिक पहचान मिटती जा रही है। फूलों और औषधीय पौधों की जैवविविधता भी खतरे में है, उनकी रासायनिक गुणवत्ता, औषधीय प्रभावशीलता भी कम हो रही है, क्योंकि तापमान बढ़ने से परागण और फूलने का समय असंतुलित हो गया है, उनके रासायनिक संघटक बदल जा रहे हैं।

स्वास्थ्य-पर्यावरण पर पड़ेगा असर

पर्यावरणविद और मौसम विज्ञानी दोनों इस बात पर सहमत हैं कि बदलते मौसम की वजह से नमी विहीन सूखी गर्म हवाओं की अवधि 2050 तक दोगुनी हो सकती है। यह बदलाव खेती किसानी से लेकर जीवन के लिए आवश्यक जैविक सूक्ष्मजीवों के पनपने में असंतुलन तो पैदा करेगा ही, साथ ही कीट-रोगों के फैलाव जैसी समस्याएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 2030 तक भारत में गर्मी से उपजी बीमारियों से मरने वालों की संख्या तीन गुना बढ़ सकती है। डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां नए क्षेत्रों में भी पैर पसारेंगी। विशेष रूप से वृद्धजन, बच्चे और मजदूरी करने वाले सबसे अधिक जोखिम में हैं। जाहिर है इस प्रक्रिया से जनधन दोनों को बहुत नुकसान होगा। जंगलों में आग को भी इससे हवा मिलेगी। इस तरह सर्द रातों का घट जाना सिर्फ मौसम परिवर्तन नहीं बल्कि पारिस्थितिक संतुलन के अस्थिर होने का संकेत है।

होगा भारी आर्थिक नुकसान

भीषण सर्दी वाले दिनों के दौर कम होने से पैदा जलवायु असंतुलन का सीधा नुकसान अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य तंत्र पर पड़ेगा। बताते हैं, वैश्विक तापमान में चार डिग्री सेल्सियस का इजाफा, अर्थव्यवस्था को 40 फीसदी कमजोर कर देगा। अनुमान है कि जलवायु आपदाओं के कारण देश को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2 फीसदी तक घट सकता है। अगर दुनिया वैश्विक तापमान में होती वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस पर सीमित रखने में सफल भी हो जाती है, तो इसकी वजह से प्रति व्यक्ति औसत जीडीपी में 16 फीसदी की गिरावट आ सकती है।

बढ़ेंगी प्राकृतिक आपदाएं

घटती सर्दी, बढ़ती गर्मी के कारण श्रम उत्पादकता में कमी, जीडीपी को कम करेगी। फ्लैश फ्लड, बादल फटने एवं बाढ़ तथा भू-स्खलन की घटनाओं की संख्या और भयावहता दोनों बढ़ेंगी तो अवसंरचना को नुकसान होगा। इसका परोक्ष प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। *

बनना होगा एन्वॉयरनमेंटल कॉन्शस

एन्वॉयरनमेंटल मैनेजमेंट की ताजा रिपोर्टों ने भारत की जलवायु को लेकर जो गंभीर चेतावनी दी है, उसके प्रति सरकार और जनमानस में कितनी चिंता है, इसके प्रति उनका सरोकार कैसा है यह तो निकट भविष्य में पता चलेगा। लेकिन अब समय आ गया है कि सरकारों को इसके लिए बहुस्तरीय तैयारी करनी होगी। शहरों में 'ग्रीन बेल्ट' और कूलिंग-कॉरिडोर नीति को अनिवार्यतः लागू करना होगा। पर्वतीय राज्यों में जलवायु अनुकूल कृषि, जल संरक्षण, ग्लेशियर तथा निगरानी प्रणालियां बढ़ानी होंगी। शहरी इलाकों में हरित आवरण, वर्षा जल संचयन और ऊर्जा दक्ष भवनों को बढ़ावा देना होगा। जलवायु परिवर्तनों को सह सकने वाली फसलों के अनुसंधान को बढ़ावा मिलना चाहिए। जंगलों की कटाई पर रोक लगे। पर्यावरणीय चेतना को प्राथमिकता दिए बिना इस आसन्न संकट से बचाव कठिन है।

हम जैसा भोजन करते हैं, उससे हमारे स्वास्थ्य पर ही नहीं पर्यावरण पर भी असर होता है। कई स्टडीज में साबित हुआ है कि प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट, हमारी हेल्थ और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में बहुत मददगार साबित हो सकता है। इस बारे में जानिए।

प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट
स्वस्थ जीवन-सुरक्षित पर्यावरण

जीवनशैली
मोनिका सिन्हा

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में जहां जंक फूड, नॉनवेज फूड्स और अत्यधिक प्रिजर्व्ड फूड्स हमारी थाली का हिस्सा बन चुकी हैं, वहीं वैज्ञानिक शोध बार-बार यह सिद्ध कर रहे हैं कि प्लांट आधारित भोजन यानी पौधों से उत्पन्न होने वाली डाइट, हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है बल्कि गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, मधुमेह और हृदय रोगों का जोखिम भी काफी हद तक कम करता है।

स्टडीज में हुआ खुलासा: जुलाई 2024 में वी. वियालोन और उनके सह-लेखकों द्वारा प्रकाशित एक वैज्ञानिक रिपोर्ट में यह बताया गया कि जिन लोगों की जीवनशैली में धूम्रपान, अत्यधिक शराब सेवन, असंतुलित खान-पान और अनियमित नींद जैसी आदतें शामिल नहीं थीं, उनमें टाइप 2 डायबिटीज, कैंसर और हृदय संबंधी रोगों का खतरा बहुत कम पाया गया। यह अध्ययन 'स्वस्थ जीवनशैली सूचकांक' पर आधारित था और इसका उद्देश्य यह समझना था कि व्यक्ति की आदतें उसके दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर कितना प्रभाव डालती हैं।

कई बीमारियों से बचाए: प्लांट बेस्ड डाइट के फायदों को जानने की दिशा में किए गए डॉ. डी सुब्रमणियन के एक रिसर्च पेयर में यह बताया गया कि पौधों पर आधारित आहार लेने वाले लोगों में कैंसर और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है। इस अध्ययन में डेनमार्क, दक्षिण कोरिया, स्पेन और ब्रिटेन सहित कई देशों के लगभग चार लाख लोगों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, दालों और मेवों पर आधारित भोजन लेते हैं, उनमें 'मल्टीमॉर्बिडिटी' अर्थात एक साथ दो या अधिक दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा, काफी घट जाता है। शोध में यह भी पाया गया कि प्लांट आधारित आहार इंसुलिन प्रतिरोध को कम करता है, जिससे शरीर में ग्लूकोज का स्तर नियंत्रित रहता है और मेटाबॉलिक बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है।

कई पोषक तत्वों से होता है भरपूर: पौधों पर आधारित आहार उच्च फाइबर, विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है और कोशिकाओं को क्षति से बचाता है। अध्ययन से यह भी सिद्ध हुआ कि जो लोग नियमित रूप से फल, सब्जियां और अनाज का सेवन करते हैं, उनमें बीपी, कोलेस्ट्रॉल, स्ट्रोक, हृदयाघात और टाइप 2 डायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है।

होता है ईकोफ्रेंडली: प्लांट आधारित भोजन का एक और बड़ा लाभ यह है कि यह पर्यावरण की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी है। मीट, मछली और अंडे जैसे पशु आधारित भोजन की तुलना में पौधों पर आधारित भोजन से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बहुत कम होता है। इसका सीधा संबंध जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संतुलन से है। हालांकि वैज्ञानिक दृष्टि से मेडिटेरेनियन आहार को दुनिया के कई देशों में स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है, परंतु उसमें मछली और चिकन का उपयोग होता है। इसके विपरीत वीगन आहार में किसी भी पशु उत्पाद यहां तक कि दूध का भी उपयोग नहीं किया जाता। इस दृष्टि से प्लांट आधारित या वीगन आहार स्वास्थ्य के साथ-साथ नैतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अधिक उपयुक्त माना जाता है।

करना चाहिए प्रोत्साहित: अगर हम भारत की बात करें तो यहां लगभग 35 प्रतिशत लोग शाकाहारी हैं। वे अनाज, दालें, फल और सब्जियों को अपने भोजन में नियमित रूप से शामिल करते हैं। इनमें से कुछ लोग दूध और दुग्ध उत्पाद भी लेते हैं, जबकि लगभग 10 प्रतिशत लोग पूरी तरह वीगन डाइट लेते हैं। हालांकि चिंता की बात यह है कि भारत की शहरी आबादी का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा मधुमेह से पीड़ित है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्री डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। धूम्रपान, तंबाकू सेवन, अस्वस्थ खान-पान और शारीरिक निष्क्रियता इस समस्या को और गंभीर बना रही हैं। अब समय आ गया है कि हमारे नीति निर्माता, स्वास्थ्य विशेषज्ञ और आम नागरिक प्लांट आधारित आहार के महत्व को समझें। विद्यालयों, कार्यस्थलों और अस्पतालों में प्लांट आधारित भोजन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। लोगों को यह बताया जाना आवश्यक है कि मांस और तले हुए भोजन की जगह ताजे फल, सब्जिया, दालें और साबुत अनाज को अपनी थाली में शामिल करना फायदेमंद है। वर्तमान समय में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में प्लांट आधारित भोजन केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की आवश्यकता है। यह न केवल रोगों से बचाव करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और नैतिक जीवनशैली की दिशा में भी एक सशक्त कदम है। अब समय है कि हम अपने भोजन के प्रति सचेत हों। प्लांट आधारित भोजन को अपनाकर हम न केवल अपना स्वास्थ्य सुधार सकते हैं, बल्कि धरती को भी अधिक सुरक्षित और संतुलित बना सकते हैं। *

नवगीत
डॉ.माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

बेवा जैसी रातें

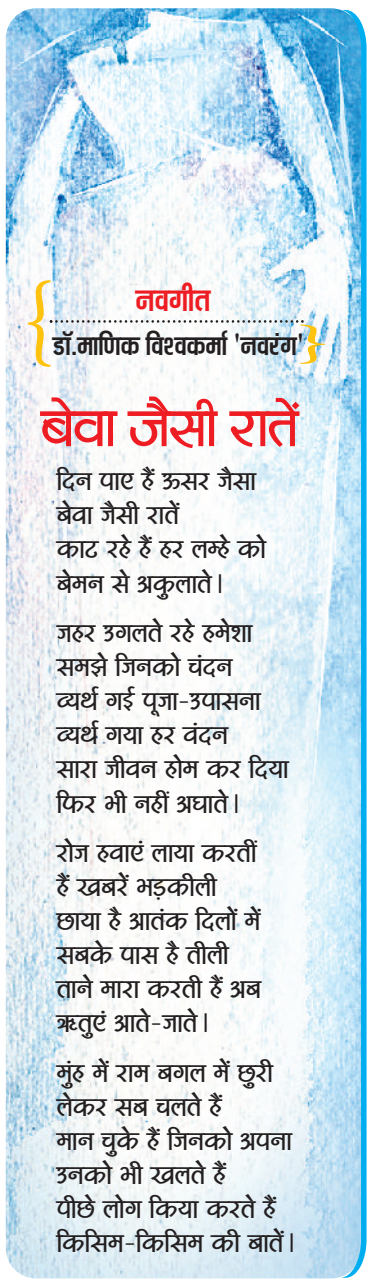

दिन पाए हैं ऊसर जैसा
बेवा जैसी रातें
काट रहे हैं हर लम्हे को
बेमन से अकुलाते।

जहर उगलते रहे हमेशा
समझे जिनको चंदन
व्यर्थ गई पूजा-उपासना
व्यर्थ गया हर वंदन
सारा जीवन होम कर दिया
फिर भी नहीं अघाते।

रोज हवाएं लाया करतीं
हैं खबरें भड़कीली
छाया है आतंक दिलों में
सबके पास है तीली
ताने मारा करती हैं अब
ऋतुएं आते-जाते।

मुंह में राम बगल में छुरी
लेकर सब चलते हैं
मान चुके हैं जिनको अपना
उनको भी खलते हैं
पीछे लोग किया करते हैं
किसिम-किसिम की बातें।

लघुकथाएं

कंपोस्ट

समाज सेवा के क्षेत्र में बृजेश जी के योगदान से प्रभावित वह उनसे मिलने उनके घर पहुंचा। लेकिन वहां पहुंचकर उसे बृजेश जी के व्यवहार और जीवनशैली में अलग ही रंग नजर आया।

दो सौ पांच .. दो सौ छह.. और यह दो सौ सात पता तो यही है, लेकिन यह मकान तो नहीं लग रहा।' मकान खोजते हुए मैं सोच रहा था। तभी नेमप्लेट पर नजर पड़ी- ब्रजेश आहूजा 'हम्म यही है।'

दरअसल, आठ-नौ वर्ष बाद मैं इस इलाके में आया था। इस बीच ये साधारण-सा घर न केवल सिंड्रेला की तरह कीमती लिबास पहन चुका था, बल्कि साथ वाले दो सौ आठ नंबर को डकार कर खासा मुटिया भी गया था। मकान की चार दीवारी के अंदर से झांकते अशोक के छोटे-छोटे पेड़ मानो, मुझे पहचानने की कोशिश कर रहे थे।

'जब मैं पिछली बार आया था तब तुम नहीं थे।' मैंने भी जतला दिया और घर के दरवाजे पर लगी घंटी बजा दी। ब्रजेश जी वर्षों से समाज-सेवा के लिए समर्पित हैं। गरीबों, बेसहारों और वंचितों के लिए तीन तो एनजीओ चलाते हैं, और इनके अतिरिक्त भी कई संस्थाओं के परामर्श-मंडल में शामिल हैं। आए दिन इस पुण्य कर्म हेतु पुरुस्कृत और सम्मानित भी होते रहते हैं। आज भी मैं अपनी संस्था द्वारा दिए जा रहे सम्मान का निमंत्रण लेकर ही उनके घर पर आया था।

गेट खुलने में ज्यादा देर नहीं लगी। खोलने वाला अशोक के पेड़ों से पुराना था, सो उसने आदर से अंदर आने के लिए कहा। अंदर घुसते ही मकान के वैभव से थोड़ी चमत्कृत-सी आंखें इधर-उधर टोहने लगीं तो बृजेश जी अपने बगीचे के एक कोने में खड़े नजर आए। शाम के छह बज रहे थे। एयर कंडीशनर की ठंडी हवा खाने के अरमान को जब्त करते हुए मैंने बृजेश जी का अभिवादन किया और अपने चेहरे पर उभर आया पसीना पोंछते हुए यह बोल ही दिया, 'बृजेश जी! इतनी गर्मी में घर से बाहर यहां?'

'अरे! आओ-आओ मित्र! हम तो सेवक ठहरे। हमारे लिए क्या गर्मी वर्मी, वैसे कंपोस्ट बना रहे हैं। सरकार तो अब जागी है, हम तो कब से पर्यावरण के लिए प्रयासरत हैं।' उन्होंने सगर्व कहते हुए अपने सामने खोदे गए लगभग तीन फीट गहरे और ढाई फीट चौड़े एक गड्ढे की ओर संकेत किया। तभी घर के अंदर से उनका बावर्ची एक थाली में सब्जियों और फलों के ढेर सारे छिलके लाया और उस गड्ढे में डाल कर चला गया। तब तक माली बगीची से बटोरी सूखी पत्तियां ले आया था। उसने वो पत्तियां उस गड्ढे में डालीं और फिर बृजेश जी के इशारे पर उस पर मिट्टी की एक मोटी परत लगा दी।

'ये जैविक कचरा भी न, बड़े काम का होता है। ये जो लहलहाती बगिया देख रहे हो न, ये इसी से बनी कंपोस्ट का कमाल हैं।' बृजेश जी मुझे बताने लगे। तभी, उनके सेकरेट्री ने एनजीओ के किसी विदेशी दानकर्ता के कॉल पर होने की सूचना देते हुए फोन उनके हाथों में पकड़ा दिया। वो फोन पर बात करते हुए 'हे..हे..' करते हंस रहे थे और मेरी नजर बगिया से हटकर अब उनकी आलीशान कोठी पर टिक गई थी। *

– शोभना श्याम

एआई इमेज

सच्चाई

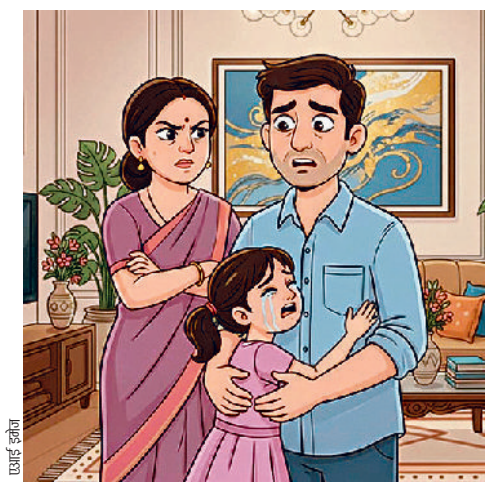

देखो नीलिमा, मुझे गांव जाना ही पड़ेगा। पिताजी इस दुनिया में नहीं रहे। उनके अंतिम संस्कार में तो नहीं जा पाया था लेकिन अब तेरहवीं में तो कम से कम जाना ही पड़ेगा। अरे भई, दुनिया को दिखाने के लिए जाना ही पड़ेगा। वरना लोग मुझे क्या कहेंगे? तुम बेबी के बर्थ-डे पार्टी को अच्छी तरह अरेंज कर लेना।'

तभी आठ वर्षीया बेबी वहां दौड़ती हुई आई और पापा से लिपटते हुए बोली, 'पापा आप कहां जा रहे हैं, मेरी बर्थ-डे पार्टी में आप नहीं रहेंगे क्या?'

यह सुनकर नीलिमा ने क्रोध भरे स्वर में कहा, 'तुम्हारे पापा अपने पिताजी की मरनी में जा रहे हैं। इन्हें तो हमारी कोई फिक्र ही नहीं है। अरे ऐसे व्यक्ति के मरने-जीने से हमें कोई मतलब नहीं रखना चाहिए। तुम्हारे पिताजी ने अपनी पूरी जमीन-जायदाद तुम्हारे छोटे भाई के नाम कर दी। तुम्हें क्या मिला? फिर भी तुम पिता की तेरहवीं में जाने के लिए परेशान हुए जा रहे हो।' अपने दादाजी के लिए मम्मी के मुंह से कटु वचन सुनकर बेबी को अच्छा नहीं लगा। वह रोते हुए अपनी मम्मी से बोली, 'दादाजी कितने अच्छे थे। एक बार यहां आए थे तो मुझे और चीकू भैया को कितना प्यार करते थे। हमें अच्छी-अच्छी कहानियां सुनाया करते थे। मैं भी पापा के साथ गांव जाऊंगी।'

नीलिमा ने गुस्से में कहा, 'बेबी तुम कहीं नहीं जाओगी। तुम्हारा बर्थ-डे है न। गांव में तुम्हारे पापा, चाचा सब देख लेंगे।'

'मम्मी, आप इसलिए नाराज हो न दादाजी से कि उन्होंने पापा को जमीन नहीं दिया। चाचू को सब दे दिया। पर दादाजी क्या करते। आप लोग तो दादाजी को यहां बुलाते भी नहीं थे, न ही गांव उनसे मिलने जाते थे। चाचू तो दादाजी को हॉस्पिटल ले जाते थे, उनकी अच्छी तरह देखभाल करते थे।'

कुछ ठहरकर बेबी ने बड़ी मासूमियत से पूछा, 'मम्मी, क्या पापा के मरने पर चीकू भैया भी नहीं आएंगे।' यह सुनकर बेबी के मम्मी-पापा अवाक रह गए। *

-डॉ. शैल चंद्रा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रकृति से आबद्ध काव्याभिव्यक्तियां

वर्तमान हिंदी काव्य परिदृश्य में ज्ञानेंद्रपति, वरिष्ठतम पीढ़ी के प्रतिष्ठित कवियों में शामिल हैं। वह जीवन-संवेदना की जिस भावभूमि पर उतरकर कविता रचते हैं, उनकी अभिव्यक्ति दार्शनिक आख्यान बन जाती है। इस बात को प्रमाणित करती हैं, हाल में छप कर आए उनके नवीनतम कविता संग्रह 'प्रकृति और कृति' की कविताएं।

यहां उनकी कविताओं में प्रकृति के तमाम घटक सहजता से आवाजाही करते हैं और हमें कुदरत को देखने का सर्वथा नवीन दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। *'तुम चले गए/और तुम्हारे साथ मेरे जीवन का संगीत चला गया।'* (एक चिड़े के लिए अशोक गीत) और *'निफूले जीवन में भी/किसी फूल की सुगंध उठकर/नथुनों तक आती है/कभी कभी'* (चुपचाप) जैसी पंक्तियां इस बात का सघनता से अहसास कराती हैं कि प्रकृति से दूर होकर हमारा जीवन, निरंतर जीवंतता खोता जा रहा है। कितने मनोहारी और आनंदमयी अनुभूतियों से हम वंचित होते जा रहे हैं। कुछ कविताओं में वे बिल्कुल अलग तेवर में अपनी बात को पूरी सशक्तता से हमारे सामने रखते हैं। *'किताबें मनुष्यता की रीढ़ की उदग्र हड्डी बन चुकी हैं/ कोई भी अमानुषिक ताकत जिसे क्षत-विक्षत कर ले/क्षैतिज नहीं कर सकती।'* (मनुष्यता की रीढ़) *

पुस्तक: प्रकृति और कृति (कविता संग्रह), **रचनाकार:** ज्ञानेंद्रपति, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

ग्रीन-अमेजिंग विंटर डेस्टिनेशंस

गर्मी के मौसम में घूमने के लिए तो आप हिल स्टेशंस जाते ही हैं। लेकिन अगर विंटर वेकेशंस में टूरिज्म की प्लानिंग कर रहे हैं तो आप कुछ ऑफबीट लेकिन खूबसूरत स्थलों का रुख कर सकते हैं। यहां की ग्रीनरी और नेचुरल टच आपको कभी न भूलने वाला अनुभव प्रदान करेंगे।

वाहनों के प्रदूषण से मुक्त माथेरान, महाराष्ट्र

टूरिस्ट प्लेसेस
शिखर चंद जैन

अगर आप शहरी भीड़-भाड़, शोरगुल और भाग-दौड़ से कुछ दिनों की छुट्टी चाहते हैं तो इस बार सर्दी की छुट्टियों में रुख करिए कुछ अल्पज्ञात मगर शांत, प्रकृति की गोद में बसे हरे-भरे विंटर डेस्टिनेशंस की ओर। यहां आपको सुकून और शांति का अहसास होगा।

हरा-भरा शीतलाखेत, उत्तराखंडः उत्तराखंड के अल्मोड़ा में स्थित शीतलाखेत एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह हिमालयी गांव अपने मनोरम कुमाऊंनी दृश्यों और शांत माहौल के लिए जाना जाता है। शीतलाखेत, प्रसिद्ध टूरिस्ट प्लेस रानीखेत के पास स्थित एक उभरता हुआ पर्यटन स्थल है। इस क्षेत्र में आने वाले मुख्य पर्यटक ट्रैकर्स ही होते हैं। यहां की सभी गतिविधियां पर्यावरण के अनुकूल होती हैं। शहरों के लोग वहां के प्रदूषण से दूर, एक सुकून भरी छुट्टी बिताने के लिए शीतलाखेत आते हैं।

हरा-भरा हिल स्टेशन शीतलाखेत, उत्तराखंड

कश्मीर जैसा दरिंगबाड़ी, ओडिशाः दरिंगबाड़ी, ओडिशा के पूर्वी घाट का एक हिस्सा है, जो कंधमाल जिले में स्थित है। यह राजधानी भुवनेश्वर से 251 किलोमीटर दूर है। यह हिल स्टेशन छोटी-छोटी हरी-भरी पहाड़ियों, नदियों और झरनों से भरा है। इस क्षेत्र में चीड़ और साल के पेड़ बहुतायत में हैं। यहां आपको कॉफी के बागान भी देखने को मिलेंगे। दारिंगबाड़ी को प्राकृतिक सुंदरता के कारण ओडिशा का कश्मीर कहा जाता है। यह ओडिशा के ग्रीन कूल पर्यटन स्थलों का नया चेहरा है। प्रकृति के संरक्षण के लिए यहां कई पार्क और रिजर्व बनाए गए हैं। स्थानीय समुदायों ने पर्यटकों को क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों के बारे में बताने के लिए जगह-जगह प्रकृति शिविर बनाए हैं। सर्दियों के शुरुआती महीने, दरिंगबाड़ी घूमने के लिए आदर्श समय माना जाता है।

दक्षिण का चेरापूंजी अगुंबे, कर्नाटकः कर्नाटक के शिमोगा जिले में स्थित, अगुंबे एक छोटा-सा गांव है। इसे दक्षिण भारत का चेरापूंजी भी कहा जाता है। जैव विविधता से भरपूर इस क्षेत्र में दक्षिण भारत में सबसे ज्यादा वर्षा होती है और भारत में दूसरी सबसे ज्यादा वार्षिक वर्षा होती है। यह हिल स्टेशन मनोरम सुंदरता और ट्रैकिंग ट्रेल्स से भरपूर है। यह अंतिम जीवित निचले वर्षा वनों में से एक है। अगुंबे ही टीवी धारावाहिक 'मालगुडी डेज' में भारत के बेहद प्रसिद्ध काल्पनिक शहर मालगुडी का वास्तविक दृश्य था। यह मिरिस्टिका, लिस्टेसिया, गार्सिनिया, डायोस्पायरोस, यूजेनिया आदि औषधीय पौधों की कुछ दुर्लभ प्रजातियों का घर है। इसलिए इसे 'हसिरु होन्नू' उपनाम मिला है, जिसका अर्थ है हरा सोना। एक विशाल वर्षा वन और विविध वनस्पतियों और जीवों का घर होने के कारण, अगुंबे में अगुंबे वर्षावन अनुसंधान केंद्र स्थित है। यह भारत का सबसे पुराना मौसम केंद्र है, जो वर्षावन क्षेत्रों में होने वाले किसी भी बदलाव पर विशेष नजर रखता है। अगुंबे को 'कोबरा राजधानी' भी कहा जाता है क्योंकि यहां बड़ी संख्या में कोबरा पाए जाते हैं।

कश्मीर जैसी मनमोहक वादियों वाला दरिंगबाड़ी, ओडिशा

भरपूर बारिश के लिए प्रसिद्ध अगुंबे, कर्नाटक

वाहन मुक्त माथेरान, महाराष्ट्रः महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में पश्चिमी घाट की सह्याद्री पर्वत श्रंखलाओं के बीच स्थित माथेरान एक आकर्षक और लोकप्रिय हिल स्टेशन है। समुद्र तल से लगभग 2,625 फीट की ऊंचाई पर बसा यह स्थान अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के लिए जाना जाता है। माथेरान को एशिया का एकमात्र ऑटोमोबाइल मुक्त (वाहन-मुक्त) हिल स्टेशन होने का गौरव प्राप्त है, जिसका अर्थ है कि यहां किसी भी प्रकार के मोटर वाहन प्रतिबंधित हैं। यहां पर्यटक पैदल, घोड़ों पर या हाथ से खींची जाने वाले रिक्शा से घूम सकते हैं। माथेरान कई मनमोहक पॉइंट्स के लिए प्रसिद्ध है। यहां का पैनोरमा पॉइंट 360 डिग्री का विहंगम दृश्य प्रस्तुत करता है और सूर्योदय, सूर्यास्त दृश्य के लिए बहुत लोकप्रिय है। ईको पॉइंट पर गूंजती आवाजें सुनी जा सकती हैं। लुईसा पॉइंट और किंग जॉर्ज पॉइंट अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए जाने जाते हैं। यहां मौजूद शार्लोट लेक एक शांत झील है, जिसके आस-पास लोग खूब पिकनिक मनाने आते हैं। माथेरान की यात्रा का मुख्य आकर्षण नेरल से माथेरान तक चलने वाली प्रसिद्ध नैरो-गेज 'टॉय ट्रेन' है। लगभग 21 किलोमीटर लंबी यह रेल यात्रा घने जंगलों और घुमावदार रास्तों से होकर गुजरती है, जो यात्रियों को एक अद्भुत और यादगार अनुभव देती है। माथेरान मुंबई से लगभग 100 किमी और पुणे से 120 किमी की दूरी पर स्थित है। निकटतम रेलवे स्टेशन नेरल है, जहां से टॉय ट्रेन या टैक्सी द्वारा माथेरान के प्रवेश द्वार तक पहुंचा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों और शहर की भाग-दौड़ से दूर शांति की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए, माथेरान एक परफेक्ट डेस्टिनेशन हैं।

सबसे बड़ा नदी द्वीप माजुली, असमः माजुली, असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर स्थित दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप है। माजुली और राज्य की राजधानी गुवाहाटी के बीच की दूरी 347 किलोमीटर है। यहां मौजूद ग्रामीण भारत के मनोरम दृश्य दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करते हैं। यह द्वीप एक प्रदूषण-मुक्त क्षेत्र है। माजुली द्वीप हाल ही में सुर्खियों में आया था क्योंकि तेज कटाव के कारण यह डूबने की कगार पर पहुंच गया था। स्थानीय सरकार ने द्वीप पर एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। प्राकृतिक सुंदरता के अलावा, इस द्वीप में कई सांस्कृतिक और धार्मिक इमारतें भी स्थित हैं। k

जलेबी बहुत लोकप्रिय मिठाई है, जो देश के कई इलाकों में खूब पसंद की जाती है। लेकिन इससे कई गुना बड़ा और भारी जलेबा कुछ ही स्थानों पर मिलता है। जलेबी और उसके बड़े भाई जलेबा से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

रसभरी जलेबी का बड़ा भाई जलेबा

रोचक
अभिव्यक्ति त्रिवेदी

जलेबी तो आप सभी ने जरूर खाई होगी। बाहर से कुरकुरी और भीतर से रसभरी जलेबी भला किसे पसंद नहीं होगी। लेकिन क्या आप जानते हैं जलेबी का एक भाई भी है, जिसे कहते हैं जलेबा।

पहले बात जलेबी कीः जलेबी हर वर्ग के लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय व्यंजन है। स्वाद में मीठी, कुंडलाकार जलेबी भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान, ईरान के साथ लगभग सभी अरब देशों में खाई जाती है। जलेबी के इतिहास की बात करें तो इसकी शुरुआत किसी इस्लामिक देश से मानी जाती है। मध्यकालीन किताब 'किताब-अल-तबीक' में भी 'जलाबिया' नामक मिठाई का उल्लेख मिलता है, जो अरेबिक शब्द है। फारसी में इसे 'जलिबिया' कहते हैं। 10वीं शताब्दी की अरेबिक पाक कला किताब में भी 'जुलुबिया' बनाने की कई रेसिपीज का उल्लेख मिलता है। इतिहासकारों की मानें तो जलेबी 500 साल पहले, जब तुर्की आक्रमणकारी भारत आए थे तब, हिंदुस्तान में पहुंची थी। जुलुबिया, जो अब जलेबी के नाम से जानी जाती है, एक मिठाई है। इसे मूल रूप से ईरान में इसी नाम से जाना जाता था। यह मध्यकाल में तुर्की और फारसी व्यापारियों के साथ भारत आई और धीरे-धीरे भारत में एक लोकप्रिय मिठाई बन गई। 10वीं शताब्दी के एक अरबी ग्रंथ में भी इस मिठाई का उल्लेख है, जिसमें इसे 'जलाबिया' कहा गया है।

कई नाम हैं प्रचलितः श्रीलंका में इसे 'पानी वलालु' कहते हैं, जो उड़द और चावल के आटे से बनती है। भारत के उत्तर-पश्चिम में इसे जलेबी, महाराष्ट्र में जिलबी तथा बंगाल और बांग्लादेश में 'जिलपी' कहा जाता है। ईरान के अलावा ट्यूनीशिया में इसे 'जष्लबिया' के नाम से जाना जाता है, वहीं नेपाल में इसे 'जेरी' कहते हैं।

कई रूपों में प्रसिद्धः भारत के लगभग हर कोने में जलेबी बहुत लोकप्रिय है, लेकिन यह उत्तर भारत, पश्चिम बंगाल और बिहार में विशेष रूप से पसंद की जाती है। मध्य प्रदेश के जबलपुर में 'खोया जलेबी' प्रसिद्ध है तो आंध्र प्रदेश के तेनाली में गुड़ की जलेबी लोकप्रिय है, जिसे 'वेल्लम जिलेबी' कहा जाता है। गुजरात में 'जलेबी-फाफड़ा' नाश्ते के तौर पर बहुत प्रचलित है। भारत की तरह ही, पाकिस्तान, बांग्लादेश, ईरान और कई अरब देशों में भी जलेबी को बहुत पसंद किया जाता है।

ऐसे बनाते-खाते हैं जलेबीः जलेबी बनाने में मैदा, यीस्ट यानी खमीर, घी या तेल, शक्कर और पानी का इस्तेमाल किया जाता है। इनके अलावा पनीर जलेबी, आलू की जलेबी, मावा-खोया जलेबी आदि कई प्रकार की जलेबियां मार्केट में उपलब्ध हैं। कई शहरों में इसे पोहा-जलेबी, रबड़ी जलेबी, दूध-जलेबी आदि कई तरह से खाया जाता है।

लाजवाब होता है जलेबाः अपने देश में कुछ जगहों पर और खास अवसरों पर बड़े आकार की जलेबी, जिसे जलेबा कहते हैं, बहुत लोकप्रिय है। जलेबी और जलेबा में मुख्य अंतर उनके आकार और गाढ़ेपन का होता है। एक जलेबा करीब 250 ग्राम वजन का हो सकता है। जलेबा एक सामान्य जलेबी का विशाल और मोटा संस्करण यानी 'किंग साइज' संस्करण होता है, जिसका हर टुकड़ा काफी बड़ा होता है। इसे पकने और चाशनी में पूरी तरह भीगने के लिए ज्यादा समय तक तला जाता है, जबकि जलेबी पतली और कुरकुरी होती है।

कुछ ही जगह मिलता है जलेबाः जलेबा कुछ ही जगहों पर मिलता है। भारत की धार्मिक राजधानी बनारस में भादो महीने में रतजगा पर्व के अवसर पर जलेबा मिलता है। वहां के भरतपुर, झंझोर, उदार, बरवा सहित कई गांवों में जलेबा की दुकानों पर शाम होते ही भीड़ लग जाती है। इसके अलावा दीपावली के अवसर पर पुरानी दिल्ली के कुछ इलाकों में, हरियाणा के मेवात में भी जलेबा बनाया और चाव से खाया जाता है। k

विशिष्ट पेड़
वीना गौतम

स्वास्थ्य-आर्थिक लाभ दिलाए एवोकेडो का पेड़

एवोकेडो (वानस्पतिक नाम-पर्सिया अमेरिकाना) मूल रूप से मध्य अमेरिका, विशेष रूप से मैक्सिको, ग्वाटेमाला और पेरू में पाया जाने वाला पेड़ है, जो सन 1900 के आस-पास भारत में अंग्रेजों के जरिए आया था। तब से कई दशको तक यह एक सजावटी फल के रूप में केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक तक ही सीमित रहा। 60 के दशक के बाद से लोगों ने इसके महत्व को जानना-समझना शुरू किया। अपनी न्यूट्रीशन वैल्यू के कारण एवोकेडो का फल सुपरफूड के रूप में दिनों-दिन विख्यात होता गया और इसकी डिमांड दिन-ब-दिन बढ़ती गई।

अनुकूल भौगोलिक स्थितियांः एवोकेडो लगभग 18 से 28 डिग्री सेंटीग्रेड यानी मध्यम तापमान वाले वातावरण में अच्छी तरह फूलता-फलता है। इसलिए इसे उत्तर और मध्य भारत के ऐसे इलाकों में उगाया जा सकता है, जहां कड़ी ठंड या भीषण गर्मी नहीं पड़ती। मसलन उत्तराखंड के हलद्वानी, काशीपुर, उधमसिंह नगर आदि में इसकी खेती की जा सकती है। इसके अलावा हिमाचल के निचले हिस्सों में, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में एवोकेडो की खेती की जाती है।

ध्यान रखने योग्य बातेंः एवोकेडो का पौधा फरवरी-मार्च या अगस्त-सितंबर के बीच रोपना चाहिए। पहले 15 से 20 दिन में लगातार सिंचाई करनी चाहिए। जनवरी से जून के बीच जब फल लगने का समय होता है, उस समय इस पेड़ को लगातार सींचना चाहिए, नहीं तो फल सूखकर गिर जाते हैं। पेड़ के इर्द-गिर्द मलचिंग करनी चाहिए ताकि नमी बनी रहे और खरपतवार न बनें।

किसानों के लिए है फायदे का सौदाः एवोकेडो की बढ़ती मांग के कारण आज इसका बाजार मूल्य 300 से 400 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गया है। यही कारण है कि एवोकेडो की फसल भारत में किसानों के लिए फायदेमंद 'कैश क्रॉप' रूप में उभरी है। आमतौर पर एवोकेडो का पेड़ तीन से चार साल के बीच में फल देना शुरू कर देता है। अच्छी तरह विकसित एवोकेडो का एक पेड़ औसतन 80 से 150 किलोग्राम फल हर वर्ष देता है। अगर एक एकड़ में एवोकेडो के 100 पेड़ लगा लिए जाएं तो किसान को हर साल औसतन 2 से 8 लाख रुपए की कमाई आसानी से हो सकती है। k

सिने ट्रेंड
मनोज प्रकाश

फूल अपनी खूबसूरती, सुगंध और मोहकता के लिए जाने जाते हैं। हिंदी फिल्मों में भी फूलों ने नायिकाओं की खूबसूरती में चार चांद लगाने में बड़ी भूमिका निभाई है। साथ ही फिल्मी गीतों और सींस को रूमानी बनाने में भी फूलों का अहम रोल रहा है। हिंदी फिल्मों और फूलों के कनेक्शन पर एक नजर।

फूलों से खूब निखरती रही है फिल्मी एक्ट्रेसेस की खूबसूरती

अधिकांश फूल अपने-आप में इतने सुंदर-मोहक होते हैं कि उन्हें देखकर मन प्रफुल्लित हो उठता है। उस पर जब कोई फिल्म अभिनेत्री अपने बालों में कोई फूल या फूलों का गजरा लगा ले तो उनकी खूबसूरती में मानो चार चांद लग जाते हैं। नरगिस से लेकर नरगिस फाखरी तक, हेलन से हेमा मालिनी तक, रेखा से राखी तक, मीना कुमारी से मुमताज तक, शर्मिला टैगोर से शिल्पा शेट्टी तक, माला सिन्हा से माधुरी दीक्षित तक। चाहे किसी भी पीढ़ी की अभिनेत्री रही हों, सभी ने अपनी सुंदरता बढ़ाने के लिए फूलों को न सिर्फ अपने बालों में लगाया बल्कि उनकी रंगत इस तरह बिखेरी कि हर दौर में दर्शक उनके जलवों के कायल होते रहे हैं। फिल्म निर्माता-निर्देशकों के लिए फूल सदियों से प्रेरणा का सबब रहे हैं। हर रंग, हर तरह के फूल फिल्मी दृश्यों की सुंदरता, नजाकत और काव्यात्मकता को बढ़ा देते हैं।

'हरियाली और रास्ता' में माला सिन्हा-मनोज कुमार

'आराधना' में ' शर्मिला टैगोर के साथ राजेश खन्ना

फूलों से बढ़ती है दृश्यों की खूबसूरतीः फिल्मी दृश्यों में अगर फूलों के बाग हों, तो नायक-नायिका की रोमांटिक उपस्थिति इनसे और बढ़ जाती है। गीत या फिर किसी दृश्य में अगर फूल नजर आते हैं, तो उनकी सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है। इसके एक नहीं कई उदाहरण हैं। राखी और शशि कपूर पर फिल्माए गए गीत 'ओ मेरी शर्मीली' (शर्मीली) में गुलाब की रौनक है, तो शर्मिला टैगोर-राजेश खन्ना पर फिल्माए गए गीत 'कोरा कागज था ये मन मेरा' (आराधना) को और भी रोमांटिक किया है डहेलिया के फूलों ने। एवरग्रीन गीत 'मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू' (आराधना) में राजेश खन्ना, सुजीत कुमार जब चलती ट्रेन में बैठी शर्मिला टैगोर को छेड़ते हैं, तो शर्मिला के बालों में लगे छोटे-छोटे लाल फूल सारे माहौल को रंगीन कर देते हैं। दरअसल, फूल कोई भी हो, अगर उसे करीने से लगाया और प्रस्तुत किया जाए तो वह नायिका की खूबसूरती और गीतों-दृश्यों की रूमानियत को और भी बढ़ा देता है।

'अपना देश' में मुमताज-राजेश खन्ना

मुमताज का यूनीक गजरा-स्टाइलः मुमताज ऐसी अभिनेत्री रही हैं, जो अपनी स्टाइलिंग के कारण आज भी युवा पीढ़ी के लिए फैशन आइकॉन हैं। राजेश खन्ना-मुमताज की फिल्म 'अपना देश' के गीत 'कजरा लगा के, गजरा सजा के बिजुरी गिरा के जइयो न' में मुमताज ने जिस तरह से बेला के फूलों से बना गजरा लगाया, वह आज भी अनेक महिलाओं के लिए एक मानक बना हुआ है। आज भी शादी या किसी अन्य समारोह में जब कोई महिला गजरा लगाती है, तो ज्यादातर उसका स्टाइल मुमताज जैसा ही होता है। इसी फिल्म का एक अन्य गीत है, 'सुन चंपा, सुन तारा, कोई जीता, कोई हारा' जिसमें मुमताज अपने चिर-परिचित अंदाज में अभिनय की रौनक बिखेरती हैं। उनके साथ-साथ कोरस गाने वाली साइड आर्टिस्ट्स ने भी बालों में फूल लगाए हैं। पूरे गीत में बालों में लगे फूलों से जो समा बंधा है, वह देखते ही बनता है।

1973 में आई फिल्म 'लोफर' में फरीदा जलाल की शादी में लाल शरारा कुर्ते पर बालों में गजरा लगाकर मुमताज ने बता दिया कि अगर फूलों का गजरा लगाना हो, तो स्टाइल क्या होगी। इसी फिल्म के सुपरहिट गीत 'मैं तेरे इश्क में मर न जाऊं कहीं' में उन्होंने फूलों के प्रिंट से सजी साड़ी पर सफेद गुलदाउदी लगाकर दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया था।

'ब्लैकमेल' में राखी के साथ धर्मेंद्र

'शर्मीली' के एक गीत में राखी-शशि कपूर

फूलों से निखरी इनकी भी खूबसूरतीः 'आज मैं जवान हो गई हूं' (मैं सुंदर हूं) गीत में लीना चंदावरकर, 'पल-पल दिल के पास कोई रहता है' (ब्लैकमेल) में राखी की खूबसूरती और उनकी उपस्थिति को फूलों ने और भी सुंदर-मोहक बना दिया। फिल्म 'हरियाली और रास्ता' में मनोज कुमार और माला सिन्हा पर फिल्माया गया गीत 'बोल मेरी तकदीर में क्या है' में माला सिन्हा ने अपने बालों को गुलदाउदी से इस प्रकार से सजाया है कि उनकी मंद-मंद मुस्कान की मोहकता और भी बढ़ गई। आगे चलकर साल 1992 में रिलीज फिल्म 'तहलका' के 'दिल दीवाने का डोला दिलदार के लिए' में अभिनेत्री ने अपनी पूरी चोटी को फूलों में गुंथकर ऐसा स्टाइल बनाया कि सालों तक यह फैशन शादियों में दुल्हन के सिर चढ़कर बोला।

फूलों वाले ये सदाबहार गीतः बात फिल्म और फूलों की चली है तो यहां एक और बात का जिक्र करना जरूरी हो जाता है। हिंदी फिल्मों में जहां एक ओर अभिनेत्रियों ने अपनी हेयर स्टाइलिंग के लिए फूलों का प्रयोग किया, तो शायरों/गीतकारों ने अपने गीतों में फूलों का खूब और बखूबी इस्तेमाल किया, कभी सीधे-सीधे तो कभी प्रतीक के रूप में। 'आरजू' फिल्म का गीत 'ऐ फूलों की रानी बहारों की मलिका', 'सूरज' का गीत 'बहारो फूल बरसाओ, मेरा महबूब आया है', 'सरस्वती चंद्र' का 'फूल तुम्हें भेजा है खत में', 'प्रेम पुजारी' का 'फूलों के रंग से' जैसे तमाम ऐसे गीत हैं, जो आज भी महफिलों में बजते हैं। सोशल मीडिया के दौर में भी इन सदाबहार गीतों पर खूब वीडियोज बनाए जाते हैं और समय-समय पर ये गाने ट्रेंड भी करते हैं। k

इंवेंशन
डॉ. दीपक कोहली

भविष्य में ग्रीन एनर्जी उत्पादन में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है आर्टिफिशियल लीफ। इस दिशा में देश-विदेश में लगातार प्रयोग किए जा रहे हैं। इस बारे में आप भी जानिए।

ग्रीन एनर्जी का फ्यूचर आर्टिफिशियल लीफ

आज विज्ञान और नवाचार का युग है। बदलते परिवेश में जब पूरी दुनिया ऊर्जा संकट, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, तब वैज्ञानिक नई दिशाओं की खोज में जुटे हैं। इसी खोज की परिणति है, कृत्रिम पत्ता या आर्टिफिशियल लीफ। यह एक ऐसा आविष्कार है, जो मानव सभ्यता को स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा प्रदान करने की दिशा में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है।

पेड़ों के हरे पत्ते जब सूर्य के प्रकाश की ऊर्जा को उपयोग में लाते हुए कार्बन डाइऑक्साइड और जल से भोजन बनाते हैं, तो उस प्रक्रिया को प्रकाश संश्लेषण कहा जाता है। इस प्रक्रिया में सूर्य की ऊर्जा रासायनिक ऊर्जा में परिवर्तित हो जाती है। यही सिद्धांत आर्टिफिशियल लीफ का आधार बना। यह एक ऐसा उपकरण है, जो सूर्य की किरणों की सहायता से जल को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित करता है।

ऐसे करता है कामः आर्टिफिशियल लीफ या कृत्रिम पत्ते का ढांचा सामान्य पत्ते जैसा ही होता है, किंतु इसमें विशेष प्रकार के प्रकाश-संवेदी पदार्थ और उत्प्रेरक धातुएं लगाई जाती हैं, जो सूर्य की ऊर्जा को अवशोषित कर रासायनिक अभिक्रियाएं प्रारंभ करती हैं। इस प्रक्रिया में जब सूर्य का प्रकाश कृत्रिम पत्ते पर पड़ता है, तो यह जल के अणुओं को विभाजित कर देता है। परिणामस्वरूप हाइड्रोजन और ऑक्सीजन उत्पन्न होती है। प्राप्त हाइड्रोजन को संग्रहित कर स्वच्छ ईंधन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

विदेशी विवि में हुए प्रयोगः सबसे पहले हार्वर्ड विश्वविद्यालय (अमेरिका) के वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल लीफ का सफल प्रयोग किया। उन्होंने सिलिकॉन और निकिल जैसे तत्वों का उपयोग करके ऐसा उपकरण बनाया, जो साधारण सूर्य के प्रकाश में भी जल को विभाजित करने में सक्षम था। इसके बाद मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी), कैंब्रिज विश्वविद्यालय और टोक्यो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने भी इस दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया।

भारत में भी हो रहे अनुसंधानः भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा कृत्रिम पत्ता विकसित किया है, जो बहुत कम सूर्य प्रकाश में भी काम कर सकता है। यह पानी से हाइड्रोजन उत्पन्न करता है। इसी प्रकार भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंग्लुरू ने कृत्रिम पत्तों में नैनो-प्रौद्योगिकी का उपयोग कर उनकी कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। उनके द्वारा विकसित कृत्रिम पत्ते पर्यावरणीय कारकों, जैसे तापमान और आर्द्रता के बावजूद स्थिर रहते हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली और राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे भी इस दिशा में निरंतर कार्यरत हैं।

भविष्य के लिए उपयोगीः आज दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती है, ऊर्जा का बढ़ता हुआ उपभोग और घटते पारंपरिक स्रोत। कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे स्रोत सीमित हैं और प्रदूषण के बड़े कारण भी। इसके विपरीत, आर्टिफिशियल लीफ सूर्य की असीम ऊर्जा का उपयोग करती है, जो निःशुल्क और अनंत है। यदि इस तकनीक का बड़े पैमाने पर उत्पादन और उपयोग संभव हो सका, तो आने वाले समय में हर घर स्वयं अपनी ऊर्जा उत्पन्न कर सकेगा। k